visit us
www.rajasthandarshanpatrika.com
rajasthandarshanpatrika
rajasthandarshan-news
rajasthandarshan
rajasthan darshan-news channel
rajasthan darshan patrika

दैनिक प्रातः कालीन

RNI. NO.- RAJHIN2022/ 82942

राजस्थान दर्शन

डाक पंजीयन संख्याः jaipur city/005/2023–25

वर्ष 4 | अंकः 346 | जयपुर, शनिवार, 21 मार्च, 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य- 2₹

संत प्रेमानंद से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मू, 25 मिनट चर्चा

राजस्थान दर्शन

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति परिवार के साथ वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की बधाई भी दी। एक दिन पहले उनका 56वां जन्मदिन था। राष्ट्रपति मुर्मू उत्तर प्रदेश के तीन दिन के दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। प्रेमानंदजी से मुलाकात के बाद वे बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम भी गईं।

रेमंड के मालिक सिंघानिया की बोट मालदीव में पलटी

इलाज के लिए मुंबई एयरलिफ्ट किया

राजस्थान दर्शन

मुंबई। रेमंड ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया मालदीव में स्पीडबोट के पलटने से घायल हो गए। हादसे में सिंघानिया को चोटें आईं और उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया। यहां उनका उपजार जारी है। उनके साथ बोट पर सवार भारत के दिग्गज रैली ड्राइवर हरि सिंह और उनके एक अन्य दोस्त लापता हो गए। स्थानीय प्रशासन ने अंदेशा जताया कि लंबा समय बीतने के कारण उनकी जान जा सकती है। दुर्घटना गुरुवार रात करीब 11 बजे मालदीव के फेलिधू एटोल के पास हुई। सिंघानिया के प्रवक्ता ने बताया कि गौतम को मामूली चोटें आईं। वे मुंबई में डॉक्टरों की देखरेख में हैं। सभी उनकी सलामती की प्रार्थना कर रहे हैं जो इस हादसे में घायल हुए।

उदयपुर के इंश्योरेंस कंपनी अधिकारी ने किया सुसाइड

राजस्थान दर्शन

जयपुर। आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के रीजनल हेड अजय अरोड़ा (45) पुत्र ओमप्रकाश ने जयपुर में सुसाइड कर लिया। उनका शव कमरे में बेडशीट से बनाए फंदे से लटका मिला। पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला। इसमें इच्छा से सुसाइड की बात लिखी। मामला चित्रकूट थाना इलाके में घटा। अजय उदयपुर के ट्रेजर टाउन में रहते थे। एक साल पहले उनका ट्रांसफर जयपुर हो गया था। उनकी पत्नी और बेटी उदयपुर में रहते हैं।

5 साल में 12 हजार 335 करोड़ से बदलेगी राजस्थान के जर्जर स्कूलों की तस्वीर

- उदयपुर में होगा सबसे ज्यादा काम, निखरेंगे सरकारी स्कूल
- मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट में पेश किया एक्शन प्लान

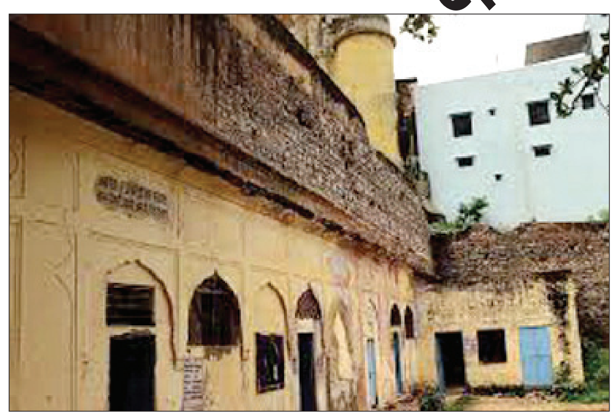

राजस्थान दर्शन

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के जर्जर स्कूलों के सुधार के लिए हाईकोर्ट को अपना एक्शन प्लान साझा किया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन की ओर से हाईकोर्ट में पेश किए गए प्लान के अनुसार अगले 5 साल में 12 हजार 335 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें स्कूल भवनों, कक्षों और शौचालयों के निर्माण और मरम्मत का काम किया जाएगा।

सरकार के प्लान के मुताबिक 3 हजार 587 जर्जर स्कूलों के लिए 2 हजार 487 करोड़ रुपए से नए भवन बनाए जाएंगे। इसके अलावा 22 हजार 589 भवनों की मरम्मत के लिए 1 हजार 129 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सबसे बड़ा काम कक्षों का होगा, जहां 83 हजार 783 जर्जर कक्षों की जगह 8 हजार 378 करोड़ रुपए से नए कक्ष बनाए जाएंगे। वहीं 13 हजार 616 शौचालयों के निर्माण और मरम्मत पर 340 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

अलग-अलग स्रोतों से जुटाएंगे पैसा

सरकार ने इस काम के लिए जुटाई जाने वाली फंडिंग का भी कोर्ट में पूरा हिसाब दिया। सर्व शिक्षा अभियान से 2,500 करोड़, डीएमएफटी से 1,000 करोड़, सांसद-विधायक निधि से 1,000 करोड़ और अन्य योजनाओं से 500 करोड़ जुटाए जाएंगे। इसके अलावा एसडीआरएफ और सीएसआर से 750-750 करोड़, वीबीजीआर एएमजी से 2,000 करोड़, राज्य शिक्षा बजट से 1,500 करोड़ और विश्व बैंक और नाबार्ड से 2,500 करोड़ रुपए मिलेंगे।

सरकार ने 5 साल के काम को 5 हिस्सों में बांटा

- 2026-27 में 2,021 करोड़
- 2027-28 में 2,223 करोड़
- 2028-29 में 2,445 करोड़
- 2029-30 में 2,956 करोड़
- 2030-31 में 2,956 करोड़

उदयपुर में होगा सबसे ज्यादा निर्माण काम

नए स्कूल भवनों में उदयपुर सबसे आगे रहेगा। यहां 455 भवन बनेंगे। इसके बाद झालावाड़ में 309, प्रतापगढ़ में 270, बांसवाड़ा में 203 और डूंगरपुर में 201 भवन बनाए जाएंगे। जयपुर में 134 नए स्कूल बनेंगे।

लगातार हादसों के बाद हरकत में आया सिस्टम

यह योजना झालावाड़ में स्कूल भवन गिरने से सात बच्चों की मौत और जैसलमेर में गेट हादसे के बाद सामने आई। सर्वे में 5 हजार 667 स्कूल जर्जर मिले थे और 17 हजार 109 शौचालय खराब हालत में पाए गए। कई जगह बच्चों को अस्थाई भवनों में पढ़ाना पड़ा, जहां मूल सुविधाएं भी नहीं थीं।

हाईकोर्ट ने मांगी सभी पक्षों की राय

हाईकोर्ट ने पहले राज्य सरकार के बताए गए प्लान पर असंतोष जताया था। इसके बाद नया एफिडेविट पेश किया गया। अब 28 मार्च तक सभी पक्षों से इस योजना पर राय मांगी गई। कोर्ट ने निगरानी के लिए कमेटी या टास्क फोर्स बनाने के संकेत भी दिए।

प्रीमियम पेट्रोल 2.35 रुपए तो इंडस्ट्रियल फ्यूल 25 फीसदी महंगा

सरकारी तेल कंपनियों ने बढ़ाए दाम, बढ़ेगा जेब का बोझ

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने शुक्रवार को स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09 से 2.35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ा दी। हालांकि सामान्य पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया। भारत पेट्रोलियम प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम इसे पावर और इंडियन ऑयल एक्सपी-95 के नाम से बेचता है। यह सामान्य पेट्रोल के मुकाबले करीब 10 से 12 रुपए महंगा होता है। इसके अलावा इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में भी 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर दी। इसके दाम 87.67 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 109.59 रुपए प्रति लीटर हो गए।

सामान्य और प्रीमियम पेट्रोल में मुख्य अंतर इनके ऑक्टेन नंबर का होता है। प्रीमियम पेट्रोल का ऑक्टेन लेवल ज्यादा होता है जो इंजन को नॉकिंग यानी झटकों से बचाकर बेहतर परफॉर्मेंस और लंबी लाइफ देता है।

प्रीमियम पेट्रोल के दाम इसलिए ज्यादा होते हैं क्योंकि इसकी रिफाइनिंग प्रोसेस महंगी है और इसे बनाने के लिए खास एडिटिव्स का इस्तेमाल होता है।

राजस्थान के 30 लाख भाजपा कार्यकर्ताओं की होगी परीक्षा

एआई और सोशल मीडिया की देंगे ट्रेनिंग

राजस्थान दर्शन

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी अपने सूचना तंत्र को मजबूत करने के लिए स्पेशल अभियान शुरू कर रही है। पार्टी 30 लाख कार्यकर्ताओं को एआई और सोशल मीडिया की ट्रेनिंग देगी। इसका मकसद विपक्ष के नैरेटिव का मुकाबला करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण देना है। अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और नेताओं को यह ट्रेनिंग दी जाएगी। हर स्तर के ट्रेनिंग कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन केवल पार्टी के सरल एप के माध्यम से किया जाएगा। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद सभी प्रतिभागियों का सरल प पर ऑनलाइन टेस्ट लिया जाएगा। इस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास करने वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं को पार्टी की ओर से सर्टिफिकेट भी जारी किया जाएगा।

प्रदेश स्तर के नेताओं के लिए 15 विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें चुनाव प्रबंधन, मीडिया और सोशल मीडिया प्रबंधन, एआई के सही उपयोग और पार्टी के लिए सकारात्मक छवि बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे।

ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर बताया, जंग में साथ नहीं देने पर भड़के

- अमेरिका के बिना गठबंधन को बताया केवल कागजी शेर
- अमेरिका और इजराइल ने ईरान को लेकर गलत आकलन किया

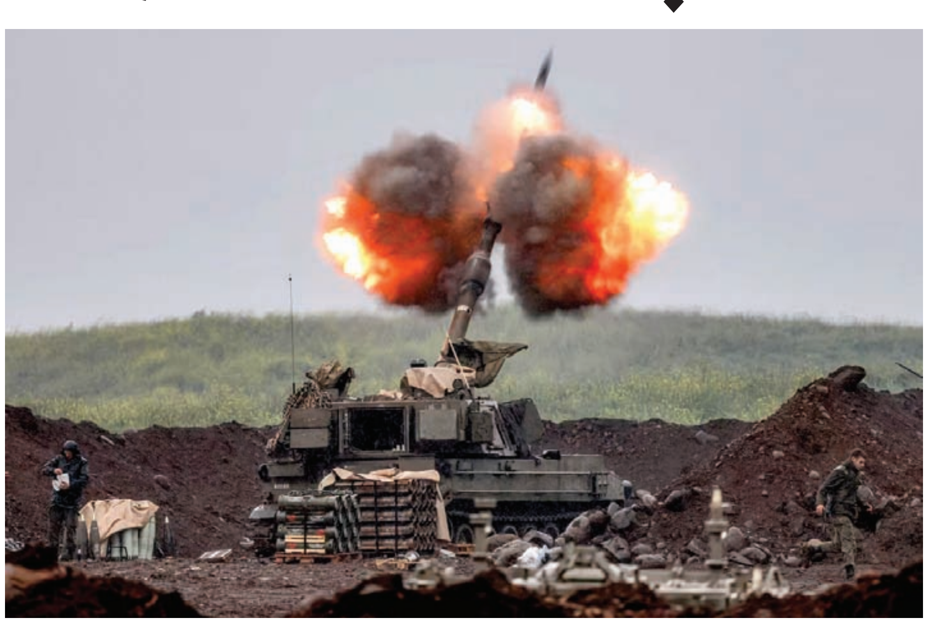

राजस्थान दर्शन

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ नहीं देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई। ट्रम्प ने कहा कि नाटो देश कायर हैं और अमेरिका के बिना यह गठबंधन सिर्फ कागजी शेर है। उन्होंने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि वे न्यूक्लियर ताकत वाले ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट का जिक्र करते हुए कहा कि इसे खुला रखने के लिए सैन्य मदद देना आसान है, लेकिन सहयोगी देश इसमें भी पीछे हट रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत आसान सैन्य कदम है, जिसमें बहुत कम जोखिम है, लेकिन वे मदद नहीं करना चाहते। कायर हैं, और हम इसे याद रखेंगे।

मिडिल ईस्ट में हजारों अतिरिक्त सैनिक भेजेगा अमेरिका

ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और बढ़ाने जा रहा है। अमेरिकी सेना हजारों अतिरिक्त सैनिक क्षेत्र में तैनात कर रही है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यूएसएस बॉक्सर और मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट को तय समय से करीब तीन हफ्ते पहले ही अमेरिका के वेस्ट कोस्ट से रवाना किया जा रहा है।

हमले से सरकार नहीं गिरी, बल्कि जनता एकजुट हुई

ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान को लेकर गलत आकलन किया। दुश्मनों को लगा था कि कुछ दिनों के हमलों के बाद ईरानी जनता सरकार के खिलाफ खड़ी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्हें भ्रम था कि अगर शीर्ष नेतृत्व और सैन्य अधिकारियों को निशाना बनाया जाएगा, तो देश में डर और निराशा फैल जाएगी और ईरान टूट जाएगा। इसके उलट देश में एकता देखने को मिली है। जहां ईरान में एकता बढ़ी है, वहीं दुश्मन खेमे में दरार पैदा हो गई है।

300 पैंसेजर को लेकर एअर इंडिया का गलत विमान उड़ा

कनाडा जाते समय चीन के एयरस्पेस से लौटा

राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फिर बड़ी चूक सामने आई। इसके कारण दिल्ली से कनाडा के वैंकूवर जा रही फ्लाइट एआई-185 को उड़ान भरने के 7 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। विमान में 300 से ज्यादा यात्री मौजूद थे। एअर इंडिया ने गुरुवार को दिल्ली से कनाडा के लिए बोइंग-777-300 ईआर की जगह बोइंग 777-200 एलआर मॉडल का विमान भेज दिया। एअर इंडिया के पास बोइंग 777-200 एलआर को कनाडा में ऑपरेट करने की इजाजत नहीं है। इस वजह से यह विमान कनाडा में उतर नहीं सकता था। गलती का पता तब चला जब विमान करीब 4 घंटे उड़ान भरकर चीन के कुनमिंग एयरस्पेस में पहुंच चुका था। इसके बाद विमान को यू-टर्न लेना पड़ा। फ्लाइट ने गुरुवार सुबह 11:34 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी और शाम 7:19 बजे वापस दिल्ली लैंड किया। घटना की जानकारी शुक्रवार को सामने आई।

सांवलियाजी मंदिर में 13 दिन में आया 10.79 करोड़ चढ़ावा

पिछले साल से 54 फीसदी ज्यादा आया दान

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ के कृष्णधाम श्रीसांवलिया मंदिर में 13 दिनों में खोले गए भंडार से निकली राशि की गिनती पूरी हुई। सिर्फ दो राउंड की काउंटिंग में भंडार, भेंट कक्ष और ऑनलाइन के जरिए कुल 10 करोड़ 79 लाख 10 हजार 701 रुपए की प्राप्ति हुई। राशि में पिछले साल की तुलना में लगभग 54 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई।

पहले चरण में 6 करोड़ 92 लाख 17 हजार 500 रुपए की गणना की गई। दूसरे चरण में 1 लाख 49 हजार 825 रुपए और गिने गए। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं ने भंडार के अलावा भेंट कक्ष और ऑनलाइन माध्यम से भी खुलकर दान किया। इन दोनों माध्यमों से कुल 3 करोड़ 85 लाख 43 हजार 376 रुपए की प्राप्ति हुई।

इस तरह भंडार और अन्य माध्यमों को मिलाकर कुल राशि 10 करोड़ 79 लाख से ज्यादा पहुंच गई। नकदी के साथ-साथ श्रद्धालुओं ने सोना और चांदी भी बड़ी मात्रा में चढ़ाया।

सृष्टि संतुलन के लिये वनों की पुकार सुननी होगी

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस,

ललित गर्ग

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

21 मार्च को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस केवल एक प्रतीकात्मक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती की ओर संकेत करने वाला अवसर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2012 में इस दिवस की घोषणा इस उद्देश्य से की गई थी कि विश्व समुदाय वनों के महत्व को समझे, उनके संरक्षण के लिए संगठित प्रयास करे और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़े। आज जब पृथ्वी अभूतपूर्व पर्यावरणीय संकटों से जूझ रही है, तब इस दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। वर्ष 2026 की थीम 'वन और भोजन' यह स्पष्ट करती है कि वन केवल हरित आच्छादन नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा के मूल स्तंभ हैं।

वर्तमान समय में पर्यावरणीय असंतुलन अपने चरम पर है। जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति ने मानव जीवन को संकटग्रस्त कर दिया है। इन परिस्थितियों में वन एक ऐसे प्राकृतिक तंत्र के रूप में सामने आते हैं, जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वैश्विक तापवृद्धि को नियंत्रित करते हैं, जल चक्र को संतुलित रखते हैं और मृदा अपरदन को रोकते हैं। इसके बावजूद, विडंबना यह है कि मानव अपनी तात्कालिक आवश्यकताओं और आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में वनों का अंधाधुंध दोहन कर रहा है। यही कारण है कि आज वन महोत्सव जैसे आयोजनों की आवश्यकता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक जागरण के रूप में महसूस की जा रही है।

वनों की उपयोगिता का दायरा केवल पर्यावरणीय संतुलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक जीवन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। 2026 में प्रस्तावित 'वनों और अर्थव्यवस्था' थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वन सतत आर्थिक विकास के आधार हैं। लाखों लोगों की आजीविका सीधे तौर पर वनों पर निर्भर है। लघु वनोपज, औषधीय पौधे, रेजिन, गोंद, शहद और बांस जैसे उत्पाद न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके साथ ही, इको-टूरिज्म के माध्यम से भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इस प्रकार वन एक ऐसे आर्थिक संसाधन के रूप में सामने आते हैं, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकते हैं। वनों का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। विशेष रूप से स्वदेशी और आदिवासी समुदायों के लिए वन जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी परंपराएँ, आस्थाएँ और जीवनशैली वनों से ही संचालित होती हैं। वन उनके लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि अस्तित्व का आधार हैं। इसी कारण, वन संरक्षण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक संरक्षण का भी विषय है। वन महोत्सव जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर इस साझा जिम्मेदारी का बोध कराते हैं कि वनों की रक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

भारत के संदर्भ में वनों का महत्व और भी अधिक व्यापक और बहुआयामी है। यहाँ वन केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक हैं। भारतीय परंपरा में वृक्षों को देवतुल्य माना गया है। पीपल, वट और नीम जैसे वृक्ष केवल जैविक इकाइयाँ नहीं, बल्कि जीवनदायी शक्ति के रूप में पूजे जाते हैं। भारत की समृद्ध जैव विविधता वनों पर ही निर्भर है, और इसका संरक्षण देश की पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। वन देश की जलवायु को संतुलित रखने, वर्षा चक्र को नियंत्रित करने और कृषि उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारत में वनों की उपयोगिता का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि वे ग्रामीण और आदिवासी जीवन की आधारशिला हैं। देश के लाखों लोग अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर हैं। भोजन, ईंधन, चारा और औषधीय आवश्यकताओं की पूर्ति वनों के माध्यम से होती है। इसके अतिरिक्त, वन जल संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे नदियों और जल स्त्रोतों का अस्तित्व बना रहता है। आज जब देश के कई हिस्सों में जल संकट गहराता जा रहा है, तब वन संरक्षण की आवश्यकता और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

वर्तमान शासनकाल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण और हरित विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'हरित भारत मिशन' के तहत बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य देश के वन क्षेत्र को बढ़ाना और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना है। 'नमामि गंगे' परियोजना के माध्यम से नदियों के किनारे वृक्षारोपण कर जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही, कैम्पा फंड के प्रभावी उपयोग से वन पुनर्स्थापन और संरक्षण कार्यों को गति मिली है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी हरित आवरण बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति को प्रोत्साहित किया है, जिससे छोटे-छोटे स्थानों में घने वन विकसित किए जा रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ लेकर चलने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार की नीतियाँ यह दर्शाती हैं कि यदि सही दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संतुलन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है। हालांकि, यह भी आवश्यक है कि इन प्रयासों में जनसहभागिता को और अधिक बढ़ाया जाए, क्योंकि वनों की सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

अंततः वन महोत्सव और अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस हमें यह संदेश देते हैं कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही मानव सभ्यता की स्थिरता का आधार है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम वनों को केवल संसाधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन का अभिन्न अंग मानें। जब तक यह दृष्टिकोण विकसित नहीं होगा, तब तक पर्यावरणीय संकटों का समाधान संभव नहीं है। यदि हम सचमुच अपने भविष्य को सुरक्षित रखना चाहते हैं, तो हमें वनों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। यही वन महोत्सव की वास्तविक सार्थकता है और यही अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का मूल संदेश भी।

संपादकीय

खौफ का खेल

सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ कुछ समय पहले तक, अपनी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिये मशहूर रहा है। इस शहर को लंबे समय तक हिंसा व अपराधों से सुरक्षित माना जाता रहा है। लेकिन विडंबना है कि अब यह तेजी से असुरक्षित होता जा रहा है। पिछले दिनों चंडीगढ़ का पॉश इलाका माने जाने वाले सेक्टर नौ में एक युवा प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े हुई चौंकाने वाली हत्या ने शहर की शांति व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा की सावधानीपूर्वक बनायी गई इस केंद्रशासित प्रदेश की छवि को धूमिल किया है। निस्संदेह, इस केंद्र शासित प्रदेश के सबसे समृद्ध और सुरक्षित इलाकों में से एक सेक्टर में, इस तरह की सरेआम निर्मम हत्या होना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह बेहद गंभीर अपराध बढ़ने का संकेत भी देता है। शुरूआती रिपोर्टों में इस अपराध को गैंगस्टरों की आपसी दुश्मनी से जोड़ कर देखा जा रहा है। जिसमें लकी पटियाला और बबीहा गैंग जैसे नामों का जिक्र सामने आया है। यह हत्याकांड एक चिंताजनक प्रवृत्ति को रेखांकित करता है कि अब संगठित अपराध उन शहरी केंद्रों में लगातार बढ़ रहे हैं, जिन्हें कभी इस तरह की गैंगवार से अछूता समझा जाता था। माना जाता रहा है कि चंडीगढ़ पुलिस यथाशीघ्र अपराध की जड़ तक पहुंचकर अपराधियों पर शिंकजा कसने में सफल रहती है। यह चौंकाने वाली बात है कि हाल के वर्षों में पंजाब में गैंगवार में होने वाली हिंसा और जबरन वसूली के रैकेट में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जिसका सबसे प्रमुख उदाहरण मशहूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या है। निस्संदेह, सेक्टर नौ में दिनदहाड़े हुई हत्या से साल 2017 में हुए आकांक्षा सेन हत्याकांड की टीस एक बार फिर उभर आई। यह भी एक ऐसा ही हाई-प्रोफाइल मामला था। जिसमें न्याय मिलने में लगातार हुई देरी के कारण आज भी लोगों के मन में गहरी कसक व्याप्त है। निस्संदेह, दोनों ही हत्याकांडों से जुड़ी समानताएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। मसलन, अपराध सार्वजनिक रूप से हुए हैं। जिससे अपराध को रोकने की पुलिस की क्षमता पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें एक सवाल जवाबदेही का भी है। वास्तव में इस तरह सरेआम दिन दहाड़े होने वाले अपराध सार्वजनिक विमर्श में कई संवेदनशील सवालों को जन्म देते हैं। इस घटना से जुड़ा सबसे चिंताजनक पहलू है हत्याकांड में शामिल रहे अपराधियों का दुस्साहस। निर्विवाद रूप से सार्वजनिक स्थल के बाहर दिन-दहाड़े की गई हत्या बताती है कि ये अपराधियों में कानून-व्यवस्था के प्रति डर समाप्त होने का संकेत है। जिसके परिणामस्वरूप कानून प्रवर्तन की निवारक क्षमता कमजोर हो जाती है। निस्संदेह, इस तरह की घटनाओं को लेकर खुफिया जानकारी जुटाने, पुलिस समन्वय और ऐसे हमलों को रोकने की क्षमता पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। कोई शक नहीं कि चंडीगढ़ को अब किसी भी तरह की लापरवाही का शिकार बनने नहीं दिया जा सकता। प्रशासन को प्रतिक्रियात्मक पुलिसिंग के बजाय सक्रिय और खुफिया जानकारी आधारित रणनीति अपनानी होगी।

चिंतन-मनन

धर्म क्या है?

धर्म के मुख्यतः दो आयाम हैं। एक है संस्कृति, जिसका संबंध बाहर से है। दूसरा है अध्यात्म, जिसका संबंध भीतर से है। धर्म का तत्व भीतर है, मत बाहर है। तत्व और मत दोनों का जोड़ धर्म है। तत्व के आधार पर मत का निर्धारण हो, तो धर्म की सही दिशा होती है। मत के आधार पर तत्व का निर्धारण हो, तो बात कुरूप हो जाती है।

एक संत आता है। भीतर की गुफा में जाकर धर्म के तत्व अध्यात्म को जानता है। फिर वह चला जाता है। फिर मत बचा रहता है। उसके आधार पर एक संस्कृति विकसित होती है। संस्कृति के फूल खिलते हैं। काल प्रम में संस्कृति मुख्य हो जाती है। अध्यात्म गौण हो जाता है। और फिर एक संत को, एक जीवित संत को इस धरती पर आना पड़ता है। फिर से अंगारे जलाने होते हैं। फिर से दीप जलाना होता है।

जो दीप कभी जला था, उसके आधार पर जो गीत रह गए थे, वे पुराने पड़ जाते हैं। फिर से एक नया दीपक जलता है। नई रोशनी आती है। नया गीत फूटता है। नई नदी बहती है। सब कुछ नूतन हो जाता है। तो कहूँगा कि तुम जानो या न जानो, तुम सब धर्म के मार्ग पर ही हो। कोई व्यक्ति ऐसा नहीं हैं, जो धर्म के मार्ग पर नहीं है।

यह और बात है कि उसे पता है, या नहीं पता है। लेकिन धर्म का तत्व क्या है? धर्म का उद्गम क्या है? कहाँ पहुँचना है हमें? गंतव्य कहाँ है? उस बात को बताने के लिए ही संत इस धरती पर आता है। स्वामी विवेकानंद जी भी आए। और ये याद दिलाने के लिए आता है संत कि तुम कौन हो? अमृतस्य पुत्रा?। तुम राम-कृष्ण की संतान हो। तुम कबीर और गुरुनानक की संतान हो। तुम बुद्ध और महावीर की संतान हो। तुम क्यों दीन-हीन और दरिद्र जैसा जीवन जी रहे हो? क्यों अशांत हो, क्यों दुःखी हो? अपना स्वरूप हम भूल गए हैं। करीब-करीब ऐसे ही हम जीवन जीते हैं अपने वास्तविक स्वरूप को भूलकर।

राजस्थान का लोक उत्सव है गणगौर

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भावना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्योहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीघार्यु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रृद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

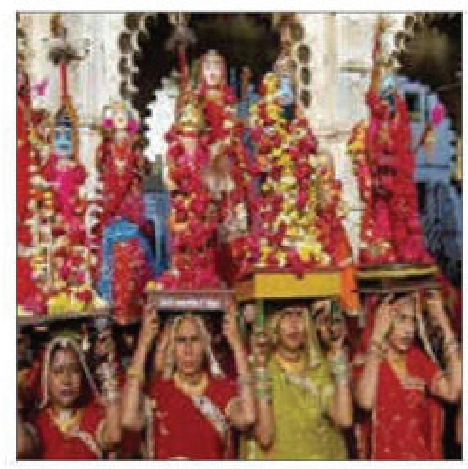

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं।

कार्यस्थल, महिला स्वास्थ्य और मासिक धर्म अवकाश

डॉ. प्रियंका सौरभ

क्या अनिवार्य अवकाश नीति महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाती है या उनके पेशेवर अवसरों को सीमित करने का जोखिम भी साथ लाती है?

मासिक धर्म स्त्री जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, किंतु लंबे समय तक इसे सामाजिक संकोच, मौन और उपेक्षा के दायरे में रखा गया। आधुनिक समय में जब कार्यस्थलों पर लैंगिक समानता, समावेशिता और संवेदनशील नीतियों की चर्चा तेज हुई है, तब 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' की अवधारणा भी विमर्श के केंद्र में आई है। कई देशों और संस्थानों ने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान विशेष अवकाश देने की नीतियाँ अपनाई हैं, ताकि वे शारीरिक असुविधा और मानसिक तनाव के समय आराम कर सकें। किंतु यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसी अनिवार्य नीतियाँ वास्तव में कार्यस्थल पर समानता को बढ़ावा देती हैं, या फिर अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को और मजबूत कर देती हैं। इस संदर्भ में इस मुद्दे का आलोचनात्मक विश्लेषण आवश्यक है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि मासिक धर्म के दौरान कई महिलाओं को शारीरिक पीड़ा, थकान, चक्कर, या हार्मोनल परिवर्तन के कारण मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कार्यस्थल पर निरंतर काम करना उनके लिए कठिन हो सकता है। अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश की नीति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि महिलाओं की जैविक आवश्यकताएँ भिन्न होती हैं और उन्हें उसी अनुसार कार्यस्थल पर सहूलियत मिलनी चाहिए। इस दृष्टि से यह नीति लैंगिक संवेदनशीलता का प्रतीक है और महिलाओं के प्रति सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त, अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश कार्यस्थलों पर लंबे समय से चले आ रहे उस मौन को भी तोड़ने का प्रयास है, जिसमें मासिक धर्म को छिपाने या शर्म की चीज माना जाता था। जब संस्थान औपचारिक रूप से इस विषय को स्वीकार करते हैं, तब यह सामाजिक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश देता है कि मासिक धर्म कोई कमजोरी नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इससे महिलाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने का साहस मिलता है और कार्यस्थल का वातावरण अधिक मानवीय और संवेदनशील बन सकता है।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि ऐसी नीतियाँ कार्यस्थलों पर उत्पादकता को भी अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ा सकती हैं। जब कर्मचारियों को आवश्यकता के समय आराम मिलता है, तो वे स्वस्थ होकर बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। यदि किसी महिला को मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द या असुविधा है और फिर भी उसे काम करना पड़ता है, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में अल्पकालिक अवकाश उसे शारीरिक और मानसिक रूप से संतुलित करने में सहायक हो सकता है। इस प्रकार, स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील नीतियाँ दीर्घकालिक दृष्टि से संस्थानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं।

हालाँकि, इस नीति के पक्ष में प्रस्तुत इन तर्कों के साथ-साथ इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को भी गंभीरता से समझना आवश्यक है। कई आलोचकों का मानना है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा दे सकती हैं। यदि किसी संस्थान को यह लगता है कि महिला कर्मचारियों को हर महीने अतिरिक्त अवकाश देना पड़ेगा, तो वह भर्ती के समय पुरुष उम्मीदवारों को प्राथमिकता दे सकता है। विशेष रूप से निजी क्षेत्र में, जहाँ उत्पादकता और समय-प्रबंधन को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, वहाँ नियोक्ता महिलाओं को 'अतिरिक्त दायित्व' के रूप में देखने लग सकते हैं।

इस दृष्टिकोण से यह भी कहा जाता है कि अनिवार्य अवकाश की नीति महिलाओं को 'कम सक्षम' या 'कम विश्वसनीय' कर्मचारी के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह धारणा बन सकती है कि महिलाएँ हर महीने कुछ दिनों तक कार्य के लिए अनुपलब्ध रहेंगी, जिससे उनके प्रति नियोक्ताओं का दृष्टिकोण नकारात्मक हो सकता है। परिणामस्वरूप, महिलाओं को उच्च पदों, नेतृत्व की भूमिकाओं या महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अवसर कम मिल सकते हैं। इस प्रकार, जो नीति महिलाओं के हित में बनाई जाती है, वही अनजाने में उनके पेशेवर विकास के रास्ते में बाधा बन सकती है।

एक और महत्वपूर्ण आलोचना यह है कि सभी महिलाओं का मासिक धर्म अनुभव समान नहीं होता। कुछ महिलाओं को इस दौरान अत्यधिक पीड़ा होती है, जबकि कई महिलाएँ सामान्य रूप से अपने कार्य कर सकती हैं। यदि अवकाश अनिवार्य बना दिया जाए, तो यह उन महिलाओं के लिए भी लागू होगा जिन्हें इसकी आवश्यकता नहीं है। इससे यह संदेश जा सकता है कि मासिक धर्म के दौरान हर महिला कार्य करने में असमर्थ होती है, जो वास्तविकता से मेल नहीं खाता। इसलिए कई विशेषज्ञ मानते हैं कि 'अनिवार्य' शब्द स्वयं में समस्या पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, यह भी तर्क दिया जाता है कि यदि कार्यस्थलों पर केवल महिलाओं के लिए विशेष अवकाश की व्यवस्था की जाती है, तो यह समानता के सिद्धांत के साथ विरोधाभास पैदा कर सकती है। लैंगिक समानता का मूल विचार यह है कि सभी कर्मचारियों को समान अवसर और समान सम्मान मिले। यदि किसी एक समूह को विशेषाधिकार दिए जाते हैं, तो दूसरे समूह में असंतोष या असमानता की भावना उत्पन्न हो सकती है। हालांकि यह तर्क पूरी तरह से उचित नहीं माना जा सकता, क्योंकि समानता का अर्थ हमेशा 'समान व्यवहार' नहीं बल्कि 'न्यायसंगत व्यवहार' भी होता है, फिर भी इस दृष्टिकोण को नीति निर्माण में ध्यान में रखना आवश्यक है।

कई देशों के अनुभव भी इस बहस को जटिल बनाते हैं। कुछ स्थानों पर मासिक धर्म अवकाश की नीति लागू होने के बावजूद महिलाओं ने इसका उपयोग कम किया है, क्योंकि उन्हें डर होता है कि इससे उनके प्रति नकारात्मक धारणा बन सकती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है; कार्यस्थल की संस्कृति और मानसिकता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि संस्थान का वातावरण संवेदनशील और सहयोगी नहीं है, तो कर्मचारी उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने में संकोच कर सकते हैं।

इस संदर्भ में कुछ विशेषज्ञ 'अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश' के बजाय 'लचीली और वैकल्पिक नीति' का समर्थन करते हैं। उनका मानना है कि कर्मचारियों को यह स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वे अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अवकाश ले सकें। उदाहरण के लिए, सामान्य चिकित्सा अवकाश या लचीले कार्य समय की व्यवस्था ऐसी हो सकती है जिसमें महिला कर्मचारी आवश्यकता पड़ने पर घर से काम कर सकें या कुछ समय के लिए विश्राम ले सकें। इस प्रकार की व्यवस्था व्यक्तिगत जरूरतों का सम्मान करती है और साथ ही अनिवार्यता से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को भी कम कर सकती है।

इसके साथ ही, कार्यस्थलों पर मासिक धर्म से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वच्छ शौचालय, सैनिटरी उत्पादों की उपलब्धता, और संवेदनशील कार्य वातावरण महिलाओं के लिए अत्यधिक सहायक हो सकते हैं। कई बार अवकाश से अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि कार्यस्थल ऐसा हो जहाँ महिलाएँ बिना झिझक अपनी आवश्यकताओं के बारे में बात कर सकें और उन्हें आवश्यक सहयोग मिल सके।

वास्तव में, इस पूरी बहस का मूल प्रश्न यह है कि समानता का अर्थ क्या है। क्या समानता का अर्थ यह है कि सभी कर्मचारियों के साथ बिल्कुल समान व्यवहार किया जाए, या फिर यह कि उनकी भिन्न आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें न्यायसंगत सुविधाएँ दी जाएँ? आधुनिक नारीवादी दृष्टिकोण यह मानता है कि वास्तविक समानता तभी संभव है जब जैविक और सामाजिक अंतर को ध्यान में रखते हुए नीतियाँ बनाई जाएँ। इस दृष्टि से मासिक धर्म अवकाश का विचार पूरी तरह से अनुचित नहीं है। लेकिन इसे इस प्रकार लागू करना आवश्यक है कि यह महिलाओं को कमजोर या कम सक्षम साबित करने के बजाय उनकी गरिमा और अधिकारों को मजबूत करे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश नीतियाँ एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा प्रस्तुत करती हैं। एक ओर वे महिलाओं के स्वास्थ्य, गरिमा और संवेदनशीलता को मान्यता देती हैं, वहीं दूसरी ओर वे अनजाने में रोजगार में लैंगिक भेदभाव को बढ़ावा देने का जोखिम भी पैदा कर सकती हैं। इसलिए नीति निर्माण में संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। अनिवार्यता के बजाय लचीली नीतियाँ, जागरूकता, और संवेदनशील कार्यस्थल संस्कृति इस दिशा में अधिक प्रभावी समाधान हो सकते हैं।

समाज और संस्थानों को यह समझना होगा कि मासिक धर्म कोई बाधा नहीं बल्कि जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है। यदि कार्यस्थल ऐसी नीतियाँ विकसित करें जो महिलाओं के स्वास्थ्य का सम्मान करें और साथ ही उनकी पेशेवर क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें, तभी वास्तविक लैंगिक समानता की दिशा में सार्थक कदम उठाया जा सकेगा।

(लेखिका, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

जीणमाता मेले के दूसरे दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सुबह मंगला आरती से परवान पर पहुंचा मेला, जात-जडूला की परंपरा निभाने पहुंचे भक्त

■ राजस्थान दर्शन

जीणमाता/दांतारामगढ़ (सीकर)। सीकर जिले के दांतारामगढ़ के रलावता ग्राम में जीणमाता मंदिर में चल रहे प्रसिद्ध जीणमाता लक्खी मेले के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज से आए भक्तों ने मां जीण भवानी के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगी। सुबह मंगला आरती के साथ ही मेले की रौनक बढ़ गई और दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा।सुबह आरती के बाद फलों का भोग लगाकर प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालु लंबी कतारों में शांतिपूर्वक दर्शन करते नजर आए।

मेले के दौरान पूरे वातावरण में भक्तिरस घुला रहा।मंदिर व्यवस्थापक मधुसूदन पुजारी, नंदकिशोर पुजारी, अनिल पुजारी, नंदू सिंह चौहान एवं आनंद पुजारी ने बताया कि मंदिर को कोलकाता व दिल्ली से मंगवाए गए विशेष फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। वहीं मां जीण भवानी का शाही पोशाकों से आकर्षक श्रृंगार किया गया, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मंदिर परिसर में गार्ड व स्वयंसेवकों की तैनाती के साथ ही करीब 800 से अधिक पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभाले हुए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।जीणमाता के दर्शन के साथ ही श्रद्धालुओं ने आसपास स्थित भंवरावाली माता मंदिर, हर्षनाथ मंदिर एवं पहाड़ी पर स्थित काजल शिखर मंदिर में भी दर्शन किए।ग्राम विकास अधिकारी सुभाष गौरा ने बताया कि ग्राम पंचायत की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, सफाई, रोशनी एवं पेयजल सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है।

जात-जडूला की परंपरा निभाने पहुंचे श्रद्धालु:- मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी कुलदेवी मां जीणमाता के दरबार में जात देने, बच्चों के जडूले (मुंडन संस्कार) कराने एवं सवामणी का भोग लगाने के लिए पहुंचे। मान्यता के अनुसार विवाह के बाद प्रथम संतान प्राप्ति पर दंपति अपने बच्चे को लेकर माता के दरबार में शीश नवाते हैं और परंपरा अनुसार जात देकर बच्चे का मुंडन करवाते हैं।

रेल मंत्री की बड़ी बैठक

स्टेशन सुरक्षा और सुविधाओं पर फोकस, एआई निगरानी व क्यूआर एंट्री सिस्टम लागू होगा

■ राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को रेल भवन में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर बड़े फैसले लिए। बैठक में खास तौर पर एक्सेस कंट्रोल, भीड़ प्रबंधन और तकनीक आधारित निगरानी को प्राथमिकता दी गई।

नई दिल्ली स्टेशन से होगी शुरुआत

मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी नए सुधारों की शुरुआत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से की जाए। यहां के अनुभव के आधार पर इन्हें देश के अन्य स्टेशनों पर भी लागू किया जाएगा।

एआई कैमरों से 24 घंटे निगरानी

स्टेशन पर अत्याधुनिक एआई आधारित कैमरा नेटवर्क लगाया जाएगा, जो प्लेटफॉर्म, एंट्री-एग्जिट गेट और संवेदनशील क्षेत्रों की 24 घंटे निगरानी करेगा। इसके लिए कंट्रोल रूम बनाया जाएगा, जहां संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत पहचान हो सकेगी।

कर्मचारियों की यूनिफॉर्म और आईडी अनिवार्य

स्टेशन पर काम करने वाले सभी कर्मचारियों के लिए रंग-कोडेड फ्लोरोसेंट जैकेट और पहचान पत्र अनिवार्य किए जाएंगे। इससे यात्रियों को कर्मचारियों की पहचान करने में आसानी होगी और जवाबदेही भी तय होगी।

क्यूआर कोड से एंट्री, भीड़ पर कंट्रोल

दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए क्यूआर कोड आधारित एंट्री सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे केवल वैध टिकटधारकों को ही स्टेशन में प्रवेश मिलेगा और भीड़ प्रबंधन बेहतर होगा।

रेलवन ऐप से मिलेगी टैक्सी सुविधा

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवन ऐप को भारत टैक्सी सेवा से जोड़ा जाएगा। इससे स्टेशन से बाहर निकलने के बाद यात्रियों को आसानी से अंतिम गंतव्य तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी।

76 स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया

अनारक्षित यात्रियों के लिए 76 स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं, जिससे प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होगी और नियंत्रित तरीके से प्रवेश सुनिश्चित किया जा सकेगा।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि इन सभी सुधारों का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यात्री-अनुकूल बनाना है। आने वाले समय में यात्रियों को स्टेशन पर प्रवेश से लेकर यात्रा तक बेहतर अनुभव मिलेगा।

जैसलमेर यार्ड में विकास कार्य, कई ट्रेनें आंशिक रद्द व देरी से चलेंगी

■ राजस्थान दर्शन

जैसलमेर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में जैसलमेर स्टेशन यार्ड में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं के विकास कार्य के चलते रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इस दौरान ब्लॉक लिया जाएगा, जिससे कई ट्रेनें आंशिक रद्द, रीशेड्यूल और रेगुलेट रहेंगी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार निम्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेंगी–

आंशिक रद्द रेलसेवाएं

गाड़ी संख्या 20492 साबरमती-जैसलमेर (26 मार्च): यह ट्रेन पोकरण तक ही चलेगी। पोकरण-जैसलमेर के बीच रद्द रहेगी।

गाड़ी संख्या 20491 जैसलमेर-साबरमती (27 मार्च): यह ट्रेन जैसलमेर के बजाय पोकरण से शुरू होगी।

गाड़ी संख्या 14704 लालगढ़-जैसलमेर (27 मार्च): श्री भादरिया लाठी तक ही संचालित होगी।

गाड़ी संख्या 74844 भगत की कोठी-जैसलमेर (27 मार्च): थईयात हमीरा तक ही चलेगी।

रीशेड्यूल ट्रेन

गाड़ी संख्या 14704 लालगढ़-जैसलमेर: 21 से 26 मार्च तक लालगढ़ से 1 घंटे देरी से रवाना होगी और मार्ग में भी नियंत्रित (रेगुलेट) की जाएगी।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेकर ही घर से निकलें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

जयपुर में 150 वार्डों में वार्ड सभाएं, 'मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान' की दी जानकारी

■ राजस्थान दर्शन

जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री विकसित शहर अभियान के तहत जोन स्तर पर वार्ड सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में आमजन को अभियान की रूपरेखा, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। साथ ही सुझाव पेटिकाएं भी रखी गईं, जिनमें लोगों ने अपने सुझाव दर्ज कराए।

आयुक्त ने बताया कि विकसित राजस्थान-2047 के विजन के अनुरूप इस अभियान का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में योजनाबद्ध और सहभागी विकास को बढ़ावा देना है। इसके तहत स्थानीय आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर वार्डों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि वार्ड स्तर पर प्रमुख समस्याओं और प्राथमिकताओं की पहचान कर उनके प्रभावी समाधान की दिशा में काम किया जाएगा। इसके लिए अधिकारियों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

आयुक्त ने 150 वार्डों में आयोजित सभाओं को लेकर निर्देश दिए कि कार्यक्रम पार्क, सामुदायिक केंद्र और सरकारी भवनों में आयोजित किए जाएं तथा अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड की प्रोफाइल तैयार की जाएगी, बुनियादी सुविधाओं और संसाधनों का आकलन किया जाएगा तथा जनभागीदारी के आधार पर विकास योजनाएं बनाई जाएंगी। इन योजनाओं को आगे चलकर नगरीय निकाय स्तर पर समेकित मास्टर प्लान में शामिल किया जाएगा।

राजस्थान में तीसरे दिन गिरे ओले, तेज बारिश से लुढ़का पारा

मार्च में फरवरी जैसी ठंडक, नोखा में सबसे ज्यादा बरसात

■ राजस्थान दर्शन

जयपुर। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण जयपुर सहित कई जिलों में सुबह तेज बरसात हुई। टोंक और धौलपुर में ओले गिरने से फसलों को नुकसान पहुंचा। श्रीगंगानगर में कोहरा छाने के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम रही। मार्च में छा रही धुंध वेदर एक्सपर्ट को भी चौंका रही है। लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को बारिश और ओले गिरने से फरवरी जैसी ठंडक हो गई। वहीं गुरुवार को राजस्थान में तूफानी बारिश और ओले गिरने से दिन का तापमान 11 डिग्री तक लुढ़क गया। बाड़मेर, अलवर में गुरुवार को 10 एमएम से ज्यादा पानी बरसा।

पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो राज्य में सबसे ज्यादा बरसात बीकानेर के नोखा में 1 इंच दर्ज हुई। बीकानेर में गुरुवार देर रात से लेकर सुबह तक रुक-रुक कर कई इलाकों में बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर में 30.5, जोधपुर में 29.8, बीकानेर में 28.5, चूरू में 28.2, गंगानगर में 26.6, नागौर में 28.1, लूणकरणसर में 28.9 और फलौदी में 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

जयपुर पुलिस की बड़ी सफलता

अंतरराज्यीय नकबजन गिरोह का मुख्य सरगना गिरफ्तार

■ राजस्थान दर्शन

जयपुर। राजधानी में विधायकपुरी थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय शातिर नकबजन गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पर दिल्ली, राजस्थान और आंध्र प्रदेश में तीन दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं और वह 10 साल से अधिक समय जेल में बिता चुका है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षिराज के अनुसार, 28 जनवरी 2026 को भागीरथ कॉलोनी में एक मकान में लाखों रुपये के गहने और नकदी चोरी की वारदात हुई थी। इस दौरान मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा गया, सीसीटीवी कैमरा क्षतिग्रस्त किया गया और अलमारी से कीमती सामान चोरी कर लिया गया।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त अशोक नगर बालाराम के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और पहले गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया।

जांच में पता चला कि गिरोह का मुख्य सरगना राशिद उर्फ सोनू दिल्ली क्राइम ब्रांच में भी वांटेड था। पुलिस ने समन्वय कर उसे 17 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया। अब तक पुलिस ने इस मामले में लगभग 25 लाख रुपये की ज्वैलरी और नकदी बरामद की है। आरोपी सुनसान और बंद मकानों की पहले रेकी करता था और मौका पाकर चोरी को अंजाम देता था। चोरी के बाद गिरोह के सदस्य माल बांटकर फरार हो जाते थे।

यह गिरफ्तारी पुलिस के तकनीकी और विशेष टीम आधारित प्रयासों की बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

पत्नी नौकरानी नहीं, लाइफ पार्टनर : सुप्रीम कोर्ट

घरेलू काम पति की भी जिम्मेदारी

■ राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तलाक से जुड़े एक मामले में कहा कि पत्नी का खाना नहीं बनाना या घरेलू कामकाज ठीक से नहीं करना क्रूरता नहीं माना जा सकता। आप नौकरानी से शादी नहीं कर रहे बल्कि जीवनसाथी से कर रहे हैं। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा कि समय बदल चुका है और पति को भी घर के कामों में बराबर की जिम्मेदारी निभानी होगी। आज के समय में पति को भी खाना बनाना और घर के काम करना चाहिए। बेंच ने इस केस में अंतिम फैसला नहीं सुनाया। मामले की अगली तारीख पर पति-पत्नी को सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का कहा।

दोनों की शादी साल 2017 में हुई थी और उनका 8 साल का बेटा है। पति सरकारी स्कूल में शिक्षक है, जबकि पत्नी लेक्चरर है। दलीलों के मुताबिक पत्नी आर्थिक रूप से पति से बेहतर स्थिति में है और उसने किसी तरह का भरण-पोषण या गुजारा भत्ता नहीं मांगा।

जयपुर में शाही अंदाज में आज निकलेगी गणगौर की सवारी

210 लोक कलाकार, 32 पारंपरिक लवाजमे होंगे

■ राजस्थान दर्शन

जयपुर। जयपुर में लोक परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक गणगौर महोत्सव इस वर्ष अभूतपूर्व भव्यता के साथ आयोजित होगा। पर्यटन विभाग की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस बार विदेशों में रहने वाले लोगों को शोभायात्रा से जोड़ने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देशानुसार महोत्सव में कई नवाचार जोड़े गए हैं। राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से विदेशों में बसे भारतीय एवं राजस्थानी समुदाय के लिए इस बार गणगौर सवारी का लाइव प्रसारण किया जाएगा। साथ ही पर्यटन विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी भव्य आयोजन का सीधा प्रसारण होगा। वहीं शाही अंदाज में निकलने वाली शोभायात्रा में 210 लोक कलाकार अपनी विधाओं से आयोजन को जीवंत बनाएंगे। वहीं 32 पारंपरिक लवाजमे भी होंगे।

राजस्थान में गैस सिलेंडर बुकिंग के लिए नया नियम

बुकिंग पर ओटीपी वेरिफिकेशन जरूरी

■ राजस्थान दर्शन

जयपुर। राजस्थान में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने तेल-गैस कंपनियों को गैस सिलेंडर की बुकिंग के नए सिस्टम का आदेश जारी किया। आदेश के तहत उपभोक्ता को सिलेंडर बुकिंग के समय ओटीपी देकर वेरिफिकेशन करना जरूरी होगा।

कस्टमर किसी मोबाइल एप, तेल-गैस कंपनी की वेबसाइट के जरिए अगर गैस ?बुकिंग करवाएगा तो रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी से वेरिफिकेशन के बाद बुकिंग हो सकेगी। देश में रसोई गैस किल्लत और सप्लाई में हो रही परेशानी को देखते हुए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने यह आदेश जारी किए। वहीं गैस सिलेंडर लेते समय भी डिलीवरी बॉय को डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड देना उपभोक्ता के लिए अनिवार्य किया गया।

नए सिस्टम से होगी केवल ऑथेंटिक बुकिंग–विभाग से जारी आदेशों के अनुसार अगर उपभोक्ता किसी दूसरे अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक माध्यम फोन-पे, पेटीएम एप या यूपीआई से बुकिंग करता है तो उस बुकिंग का वेरिफिकेशन भी ओटीपी के जरिए करना होगा। इनके अलावा अन्य किसी माध्यम से बुकिंग स्वीकार नहीं की जाएगी।

केवल सही बुकिंग करवाने का प्रयास–इस सिस्टम से केवल ऑथेंटिक बुकिंग ही हो सकेगी। कोई दूसरा व्यक्ति या गैस एजेंसी संचालक अपने स्तर पर उपभोक्ता की गैस बुकिंग नहीं कर सकेगा। अगर करता भी है तो उसे उपभोक्ता से ओटीपी लेकर वेरिफिकेशन करवाना होगा।

सरकार बोली- एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी, लेकिन हालात चिंताजनक

हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, 7500 कंज्यूमर पीएनजी पर शिफ्ट हुए

■ राजस्थान दर्शन

नई दिल्ली। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं।

कालाबाजारी रोकने के लिए 4500 छाप मारे–पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने निगरानी बढ़ाने के लिए 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम और जिला स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई हैं।

जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए देशभर में 4500 छापे मारे गए। इनमें से 1100 छापे उत्तर प्रदेश में हुए। वहीं ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1800 सरप्राइज इंस्पेक्शन भी किए। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में करीब 11,300 टन कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं को दी गई है और 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में इसका आवंटन किया गया है।

पीएम मोदी ने 5 देशों के नेताओं से बात की

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इस दौरान वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का पक्ष रखा। सभी नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में सुरक्षित आवाजाही के समर्थन की बात दोहराई। रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान से भी बात की और उन्हें व वहां के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं।

शिपिंग मंत्रालय बोला- गल्फ क्षेत्र में 22 जहाज और 611 भारतीय सुरक्षित

शिपिंग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि पिछले 24 घंटों में किसी भी समुद्री घटना की कोई रिपोर्ट नहीं है। पर्शियन गल्फ क्षेत्र में हमारे 22 जहाज और 611 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी पोर्ट पर जाम की स्थिति नहीं है। न्यू मैंगलोर पोर्ट ने क्रूड और एलपीजी के लिए 14 मार्च से 31 मार्च तक सभी कार्गो से जुड़े शुल्क में छूट का सर्कुलर जारी किया है।

सप्लाई संकट की वजह होर्मुज स्ट्रेट का लगभग बंद होना

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर संयुक्त हमला किया, जिसमें कई सैन्य और परमाणु ठिकाने निशाना बने। इस ऑपरेशन में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया।

अलविदा जुमे के साथ रमजान को विदाई

चांद दिखने के बाद कुचामन सिटी में आज मनाया जाएगा ईद-उल-फितर

■ राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। कुचामन सिटी में शुक्रवार 20 मार्च को रमजान माह के 30वें रोजे के साथ अलविदा जुमे की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। 29वें रोजे की शाम चांद नजर नहीं आने के कारण रोजों की संख्या 30 पूरी हुई और इसी के साथ एक बार फिर शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज अदा की गई। शहर की सभी मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी और रूहानी माहौल देखने को मिला। नमाज से पहले इमाम हजरात ने तकरीर ने हुए रोजा, फितरा और जकात से जुड़े अहम मसाइल पर विस्तार से रोशनी डाली। उन्होंने खास तौर पर बताया कि ईद-उल-फितर की नमाज से पहले फितरा अदा करना जरूरी है, ताकि गरीब और जरूरतमंद लोग भी ईद की खुशियों में बराबरी से शामिल हो सकें। साथ ही उन्होंने रमजान के बाद भी नमाज और नेक अमल को जारी रखने की नसीहत दी। शुक्रवार शाम को रोजा खोलने के बाद लोगों में खास उत्साह देखने को मिला। जैसे ही चांद नजर आया, लोगों ने एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। शहर के चौक-चौराहों और बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और हर तरफ खुशी और उल्लास का माहौल बन गया। ईद-उल-फितर के मौके पर कुचामन सिटी ईदगाह में शनिवार सुबह 8:00 बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी। वहीं मोहल्ला लुहारान स्थित बाबा हैदर अली दरगाह में सुबह 8:15 बजे नमाज-ए-ईद-उल-फितर की नमाज अदा कराई जाएगी। अलविदा जुमे की नमाज के बाद देश और दुनिया में अमन-चैन, तरक्की, कौमी एकता और खुशहाली के लिए खास दुआएं की गईं। नमाज के अंत में सलाम पढ़ा गया और सभी ने एक-दूसरे के लिए भलाई और सलामती की दुआ की। रमजान के मुकम्मल होने के साथ ही अब कुचामन सिटी में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्यौहार पूरे हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाया जाएगा।

संगठित व शिक्षित समाज ही विकास का पथ चुनता है?

■ राजस्थान दर्शन

करौली। श्री महर्षि गौतम आश्रम सेवा समिति खुर्रा के तत्वाधान में सोमवार को श्रीबिजासन माता की पावन धरा पर श्रीमहर्षि गौतम जंयती महोत्सव एवं अभिनन्दन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्री महर्षि गौतम आश्रम सेवा समिति खुर्रा के मंत्री मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में सभी जिलों से समाज बंधु कार्यक्रम में पधारे। कार्यक्रम का आरंभ श्री महर्षि गौतम जी का पूजन,हवन, और आरती कर कार्यक्रम आरंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य बाबूलाल गौतम बस्सी,विशिष्ट अतिथि गंगा सहाय शर्मा ढोलावास, भरत लाल गौतम , बुद्धि प्रकाश शर्मा झर, महेन्द्र कुमार शर्मा गढोली, गिर्राज प्रसाद गौतम लिवाली, बैध मोहनलाल गौतम छारेडा,बैध रामस्वरूप गौतम नारौली चौड़, प्रेमशंकर शर्मा सुखानंदपुरा, सभी अतिथियों ने श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण लोक चेतना मासिक पत्रिका के पोस्टर का विमोचन किया। और सभी समाज बंधुओ से निवेदन किया कि सभी गुर्जर गौड़ ब्राह्मण ज्यादा से ज्यादा संख्या में सदस्यता ग्रहण कर हमारे समाज के सभी सामाजिक कार्यों की जानकारी घर बैठे प्राप्त करें।आप सभी समाज बंधु अपने अपने प्रतिष्ठान, व्यापार, दुकान, आदि के विज्ञापन दे। अपने अपने बालक बालिकाओं के बायोडाटा भी मासिक पत्रिका में प्रकाशित करवाएं। कार्यक्रम में पधारे समाज बंधुओ के द्वारा भवन निर्माण हेतु सहयोग दिया। इसी कड़ी में राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा प्रदेश मंत्री, एवं श्री महर्षि गौतम आश्रम सेवा समिति खुर्रा के मंत्री, मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ के द्वारा अपने पिता जी स्व श्री बैध लाडली प्रसाद गौतम नारौली चौड़ की स्मृति में श्री महर्षि गौतम आश्रम खुर्रा में कार्यालय के लिए एक कमरे का निर्माण करवाया जायेगा। जिसका सभी समाज बंधुओ ने महर्षि गौतम जी के जयकारे के साथ स्वागत किया। सभी समाज बंधुओ ने प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्य अतिथि के द्वारा मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ का माला, दुपट्टा पहनाकर कर सम्मान किया। मंत्री, मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ ने अपने उद्बोधन में बताया कि बहुत जल्द ही निमार्ण कार्य पूर्ण कर श्री महर्षि गौतम आश्रम सेवा समिति खुर्रा के द्वारा श्री महर्षि गौतम आश्रम खुर्रा भवन के उद्घाटन एवं भामाशाह सम्मान समारोह का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रसादी की व्यवस्था हमारे समाज के भामाशाह भरत लाल गौतम बालोती के द्वारा रही ।माईक,जगनेटर की व्यवस्था निशुल्क सीताराम गौतम महरावड कि और से रही। टेंट की व्यवस्था हमेशा सभी कार्यक्रम में मुकेश कुमार गौतम नारौली चौड़ के द्वारा निशुल्क रहती है ।मंच संचालन रामचरण गौतम सिरसाली के द्वारा किया गया।

नन्ही मिसाल

7 वर्षीय मुदस्सर व दानिश ने कम उम्र में रखे पूरे महीने के रोजे

दोनों 7 वर्षीय मुदस्सर व दानिश गैसावत ने रमजान के पूरे रोजे रखें

■ राजस्थान दर्शन

मकराना। शहर. के मोहम्मदिया मस्जिद के मोहल्ला निवासी 7 वर्षीय बालक मोहम्मद दानिश व मुदस्सर अहमद ने इस पवित्र महीने में इबादत की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी हर तरफ प्रशंसा हो रही है । इतनी छोटी सी उम्र में दानिश व मुदस्सर ने न केवल पूरे महीने के रोजे रखे, बल्कि पूरी पाबंदी के साथ तरावीह और पांचों वक्त की नमाज भी अदा की। समाजसेवी उस्ताजी शौकत अली गैसावत के दोनों पोते है। मोहम्मद असलम गैसावत का पुत्र 7 वर्षीय दानिश गैसावत और अब्दुल रऊफ गैसावत का बेटा मुदस्सर गैसावत 7 वर्षीय ने इस रमजान के महीने के पूरे रोज़े रखकर अल्लाह की बारगाह में इबादत की। इस कम उम्र में धर्म के प्रति जो समर्पण दिखाया है, वह काबिले तारीफ है। घर वालों का कहना है कि बच्चों ने समाज के सामने एक रूहानी मिसाल पेश की है, जो यह दर्शाती है कि अगर हौसला बुलंद हो, तो उम्र मायने नहीं रखती। नन्हीं सी जान के इस जज्बे को देखकर मोहल्ले और घर के लोग उसे दुआएं दे रहे हैं। इन दोनों रोजेदार को माला पहनाकर व मिठाईयां खिलाकर स्वागत किया।

ग्राम विकास अधिकारियों का आंदोलन सफल, उदयपुर में ग्राम सभाएं नहीं हो सकीं

■ राजस्थान दर्शन

उदयपुर। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के आह्वान पर चल रहा पदोन्नति नहीं तो काम नहीं आंदोलन उदयपुर जिले में पूरी तरह सफल रहा। संघ के जिला अध्यक्ष कमलेश सेन ने दावा किया कि आंदोलन के चलते निर्धारित तिथि पर एक भी ग्राम सभा विधिवत आयोजित नहीं हो सकी।

कमलेश सेन ने बताया कि प्रशासन ने ग्राम सभाएं कराने के लिए हरसंभव प्रयास किए। यहां तक कि जिला कलेक्टर स्वयं मैदान में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे, लेकिन इसके बावजूद ग्राम सभाओं का आयोजन नहीं हो पाया।

संघ के जिला मंत्री हितेश पालीवाल के अनुसार, प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य कार्मिकों को ग्राम सभाएं आयोजित करने के निर्देश दिए, लेकिन समय पर सूचना नहीं पहुंचने के कारण अधिकांश स्थानों पर ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित नहीं हो सके। कई जगहों पर सिर्फ औपचारिकता निभाने के लिए लोगों को एकत्र करने की कोशिशें भी नजर आईं।

प्रदेश प्रतिनिधि हरीश सुथार ने इसे आंदोलन की ऐतिहासिक सफलता बताते हुए चेतावनी दी कि यदि लंबित पदोन्नतियों सहित अन्य मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को प्रदेशभर में जिला कलेक्टरों को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा, जबकि 8 अप्रैल को मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर शक्ति प्रदर्शन किया जाएगा। संघ ने स्पष्ट कहा है कि ग्राम विकास अधिकारी संवर्ग की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मांगों के समाधान तक आंदोलन जारी रहेगा।

बिणजारो प्रकाशन साहित्यकार, ख्यातिप्राप्त कवि नागराज शर्मा का भव्य अभिनंदन स्वागत

■ राजस्थान दर्शन

पिलानी। राजस्थानी भाषा के सुप्रसिद्ध कवि साहित्यकार नागराज शर्मा आधारित डाक्यूमेंट्री फिल्म बिणजारो का प्रदर्शन पिलानी के सिनेमाघर में हुआ । यह कार्यक्रम वीरधरा फिल्म्स ने आयोजित किया जीसके निर्माता अरविन्द चोधरी है । फिल्म बिणजारो राजस्थानी कवि नागराज शर्मा ओर राजस्थान कि कला संस्कृति आधारित है ।जीसके अंदर राजस्थान के साहित्यकार ओर जोधपुर महाराजा गजसिंह सिमा मिश्रा ओर राजवीर चलकोई को भी शामिल किया गया है । यह फिल्म अरविन्द चोधरी ओर उनकी टीम ने 5 वर्ष के शोध उपरांत बधाई है

भाषा नहीं तो कुछ नहीं नागराज शर्मा – फिल्म कि सराहना करते हुए कवि नागराज शर्मा ओर श्याम जांगीड़ ने राजस्थानी भाषा को मान्यता मिले ओर नविन पिडी इसके महत्व को समझें इस कार्यक्रम में संजीव पुनिया निदेशक आदर्श शिक्षा समिति ,मातुराम मुर्तिकार, राजयोगिनी बीके स्वाती दीदी,डा मुलसिंह शेखावात, अशोक कुमार ओला,के साथ गोरव शर्मा,डा हरिसिंह सांखला,हरिश चौधरी, राजेंद्र शर्मा ओर बिशनपाल शेखावात सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

डाक्यूमेंट्री फिल्म बिणजारो देती है प्रेरणा–फिल्म के निर्देशक अरविन्द चोधरी ने बताया यह फिल्म नागराज शर्मा के साहित्यिक योगदान ओर बिणजारो पत्रिका को समर्पित है जीसका उद्देश्य नवीन पिडी को भाषा का महत्व के साथ प्रशासन को अवगत कराना है ओर राजस्थानी भाषा को मान्यता मिले ऐसा प्रयास है

झडाया बालाजी मंदिर पर रामनवमी पर होगा विशाल मेले का आयोजन

■ राजस्थान दर्शन

उदयपुरवाटी। उपखंड क्षेत्र के झडाया बालाजी मंदिर परिसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी पर विशाल मेले का आयोजन किया जाएगा द्य मेले की तैयारियों को लेकर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में शुक्रवार को मीटिंग का आयोजन किया गया द्य मीटिंग के दौरान रामनवमी पर आयोजित होने वाले मेले को लेकर अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सोपी गई द्य समाजसेवी मदनलाल भावरिया ने मीटिंग के दौरान बोलते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि मेलों से ही आपसी भाईचारे की भावना बढ़ती है द्य मेला कमेटी की व्यवस्थापक विकास जांगिड़ व आशीष जांगिड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि रामनवमी पर मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा एवं संतों का सम्मान भी किया जाएगा द्य विकास जांगिड़ के अनुसार मेले के दौरान कुश्ती दंगल का भी आयोजन होगा जिसमें देश-विदेश के महिला एवं पुरुष पहलवान कुश्ती दंगल में दांव पेंच दिखाएंगे द्य इस दौरान समाजसेवी मदनलाल भावरिया,हनुमान प्रसाद यादव, छगनलाल कसाना, पूरणमल गुर्जर ,कालूराम, जगदीश प्रसाद ,रामनाथ ,विकास यादव, कैलाश पटेल, लक्ष्मण सिंह कुड़ी,डॉ रामावतार गजराज, महेंद्र सिंह तेतरवाल, भवानी सिंह कुड़ी , भगवान सहाय पीटीआई सहित कई लोग मौजूद रहे .

सिरोही में गणगौर महोत्सव पर 21 को निकलेगी गणगौर माता की ऐतिहासिक सवारी

■ राजस्थान दर्शन

सिरोही। नीमकाथाना के पास सिरोही में 21 मार्च को गणगौर महोत्सव पर गणगौर माता की ऐतिहासिक सवारी निकाली जाएगी द्य गणगौर महोत्सव का आयोजन श्री पृथ्वीराज का मंदिर बस स्टैंड सिरोही पर आयोजित होगा द्य महिलाएं एवं पुरुष गणगौर माता की सवारी के दर्शन करेंगे द्य सिरोही ग्राम पंचायत प्रशासक जयप्रकाश कस्वा ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 मार्च को श्री पृथ्वीराज महाराज का विशाल जागरण का आयोजन होगा जिसमें रात्रि में सुप्रसिद्ध भजन गायकारों द्वारा भजनों की रस गंगा प्रवाहित की जाएगी द्य ग्राम प्रशासक जयप्रकाश कस्बा से मिली जानकारी के अनुसार 22 मार्च को प्रातः 7:15 बजे से महिला एवं पुरुष पहलवानों द्वारा कुश्ती दंगल का आयोजन होगा जिसमें पहलवान दाव पेंच दिखाएं जाएंगे द्य अंतिम कुश्ती एक लाख रुपए की होगी द्य 21 मार्च को आयोजित होने वाले गणगौर महोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

भारतीय नववर्ष पर विश्व शांति हेतु गायत्री महायज्ञ का आयोजन

■ राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। गर्भस्थ शिशु संरक्षण समिति भारत, कुचामन शाखा द्वारा भारतीय नववर्ष के पावन अवसर पर विश्व शांति एवं मानव कल्याण की मंगल कामना के साथ न्यू कॉलोनी स्थित रामेश्वरम में भव्य गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। समिति के कुचामन शाखा अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पावन अनुष्ठान का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ के परिव्राजक महेश चौरसिया के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। यज्ञ में समिति के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्यामसुंदर मंत्री ने सपत्नीक सहभागिता करते हुए विश्व कल्याण एवं शांति के लिए आहुतियां अर्पित की। इस अवसर पर समिति के प्रांतीय सचिव श्यामसुंदर सैनी, वरिष्ठ साधक सत्यनारायण मोर, गिरधारी दीक्षित, सौरभ डालुका , शोभा मंत्री बृजमोहन मंत्री, कृष्णा मंत्री, प्रिती मंत्री, दिव्यांश, वेदांशी कमल मालपानी सहित अनेक श्रद्धालु एवं साधक उपस्थित रहे। यज्ञ के माध्यम से समस्त विश्व में शांति, समृद्धि एवं सकारात्मक ऊर्जा के प्रसार की कामना की गई।

बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं निशुल्क उच्च शिक्षा परियोजना का वार्षिक उत्सव मनाया

■ राजस्थान दर्शन

कुचामनसिटी। कुचामन विकास समिति द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बेटी बचाओं-बेटी पढाओं अभियान के अन्तर्गत उच्च शिक्षा की पूर्णतया निशुल्क परियोजना एच.पी. काबरा गर्ल्स कॉलेज का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह राजकीय चिकित्सालय के पूर्व मुख्य चिकत्सा अधिकारी डॉ. विजयकुमार गुप्ता एवं डॉ. कल्पना गुप्ता के मुख्य आतिथ्य एवं समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा की अध्यक्षता में शाकम्भरी रोड़ स्थित एन.एल.काबरा ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन, परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने एवं उपस्थिति देने वाली छात्राओं को नकद राशि, मोमेन्टो, प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया साथ ही महाविद्यालय में निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण लेने वाली 20 जरूरतमंद छात्राओं को निशुल्क उषा कम्पनी की पायदान वाली सिलाई मशीने भेंट की गयी। समारोह में समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं को उच्च शिक्षा से जोडने हेतु अप्रेल माह के पश्चात बेटी बचाओं-बेटी पढाओं अभियान को व्यापक स्तर पर शहर के 20 किलोमीटर स्थित गाँवों में नुकड नाटक एवं रैली आदि के माध्यम से आगे बढाया जायेगा एवं समिति छात्राओं को स्नातक तक पूर्णतया निशुल्क शिक्षा एवं साधन प्रदान करेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति के पश्चात सभी छात्राओं के साथ सहभोज का आयोजन काबरा केन्टीन में रखा गया। कार्यक्रम में समिति उपाध्यक्ष श्यामसुन्दर मंत्री सचिव बनवारीलाल मोर, महाविद्यालय प्रबन्ध मण्डल सचिव सुभाष रांवका, समिति सदस्य रंगनाथ काबरा, गिरिराज रान्दड, मोहम्मद शकील, गोपाल बंसल, श्यामसुन्दर सैनी, कुचामन महिला विकास मंच की अध्यक्षा बरखारानी पाटनी सचिव ज्योति मोर, समिति द्वारा संचालित संस्थाओं के प्राचार्य पुरणसिंह गुर्जर, नाजिया खान, राजेश शर्मा तथा प्रकशचन्द शर्मा, राकेश पारीक के साथ बी.एड. कॉलेज एवं एच.पी. काबरा गर्ल्स कॉलेज के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

मंच संचालन भागोती चौधरी ने किया। कार्यक्रम पश्चात महाविद्यालय प्राचार्य अखिलेशचन्द रॉय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। समिति द्वारा इस परियोजना में अध्ययनरत छात्राओं का निशुल्क शैक्षणिक भ्रमण उदयपुर, चितोड, नाथद्वारा भी इसी माह करवाया गया।

108 कुंडात्मक श्री गोपाल गौपुष्टि महायज्ञ मैं लगभग 150 जोडे दे रहे हैं आहुतियां

■ राजस्थान दर्शन

नीमकाथाना। नीमकाथाना के नजदीक श्री दाऊ धाम काला कोटा टोडा मैं 19 मार्च से प्रारंभ हुए 108 कुंडात्मक श्री गोपाल गौपुष्टि महायज्ञ का आगाज परम पूज्य अनंत विभूषित श्रीमद् जगतगुरु बाहुबल द्वाराचार्य पीठाधीश्वर श्री बलदेवाचार्य जी महाराज के सानिध्य में 27 मार्च तक चलेगा द्य यज्ञ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा व यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ने बताया कि यज्ञ परिक्रमा करने से ही पापों का नाश होता है द्य भावरिया के अनुसार यज्ञ में मंत्रोचार के साथ अग्नि में आहुति देकर देवताओं को प्रसन्न किया जाता है द्य यज्ञ को लेकर यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ने बताया की यज्ञ भगवान का स्वरूप होता है द्य यज्ञ के दौरान ही श्रद्धालु रोज संतों के दर्शन कर यज्ञशाला के परिक्रमा कर रहे हैं द्य यज्ञ में दूसरे दिन भी विद्वान पंडितो द्वारा यज्ञ में बैठे जोड़ों को आहुतियां दिलवाई गई द्य यज्ञ सेवा समिति से मिली जानकारी के अनुसार यज्ञ के दौरान 27 मार्च तक नित्य श्री ठाकुर जी महाराज के श्रृंगार दर्शन भी श्रद्धालुओं को होंगे द्य , यज्ञ के दौरान ही 27 मार्च तक कथा प्रवक्ता आचार्य श्री भोला शंकर दास जी कथा का रसपान करेंगे जो रोज दोपहर 12:00 से सायं काल 3:00 बजे तक चलेगा द्य यज्ञ के दौरान ही रात्रि में रोज 27 मार्च तक 7:00 से 10:00 बजे तक रासलीला का भी आयोजन होगा द्य 27 मार्च तक रोज भंडारे का भी आयोजन होगा जिसमें दूर-दराज से आए हुए श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे द्य इस दौरान विनोद दास जी महाराज, भोला शंकर दास जी महाराज, यज्ञाचार्य चिरंजीलाल शास्त्री , सीताराम यादव सरपंच प्रतिनिधि, बलराम यादव, दीपक रोहिल्ला, अजीत यादव, विकास कुड़ी, जितेंद्र भारती, नरेंद्र सिंह, पूरणमल जांगिड़, महेंद्र तेतरवाल ,लक्ष्मण कुड़ी पचलंगी सहित कई लोग मौजूद रहे।

बालोतरा में झूलेलाल जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बालोतरा। शहर के नयापुरा स्थित झूलेलाल मंदिर में सिन्धी पंचायत संस्था के तत्वावधान में भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव (चेटीचंड पर्व) बड़े उत्साह और भव्य आयोजनों के साथ मनाया गया। पूर्व संध्या पर मंदिर से भव्य वाहन रैली निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस मंदिर पहुंची। रैली और शोभायात्रा के दौरान समाज बंधुओं ने अल्पाहार और पुष्प वर्षा के माध्यम से श्रद्धालुओं का स्वागत किया। जन्मोत्सव के दिन मंदिर में ध्वजा-कलश पूजन, महाआरती और प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ। शाम को झूलेलाल चौक में बहिराणा साहिब और पारंपरिक सिन्धी छेज कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सिंगल यूज प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान के दौरान लगभग 8700 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक को एकत्रित कर RDF प्लांट में करवाया नष्ट

जयपुर। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार एवं उपायुक्त स्वास्थ्य मृणाल कुमार के निर्देशन में गठित चालान प्रकोष्ठ (स्वास्थ्य पार्ट-2) द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध विशेष कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान लगभग 8700 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक को एकत्रित कर RDF प्लांट में नष्ट करवाया गया। साथ ही संबंधित व्यापारियों को भविष्य में प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतु सख्त निर्देश दिए गए तथा उन्हें पाबंद किया गया कि यदि भविष्य में प्लास्टिक का उपयोग करते पाए गए, तो उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान व्यापारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया तथा उन्हें कपड़े के थैलों का उपयोग करने एवं अपने ग्राहकों को भी थैले साथ लाने के लिए प्रेरित किया गया।

जैसलमेर में पत्रकारों का महाप्रदर्शन, कलेक्टर के खिलाफ सड़क पर उतरे प्रदेश भर के पत्रकार

कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत के बर्खास्तगी की उठाई मांग

IFWJ के आह्वान पर सैकड़ों पत्रकारों की रैली

राजस्थान दर्शन

जैसलमेर। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कथित प्रशासनिक हमले के विरोध में शुक्रवार को जैसलमेर में प्रदेशभर के पत्रकारों का अभूतपूर्व आक्रोश देखने को मिला। जैसलमेर कलेक्टर प्रतापसिंह नाथावत के खिलाफ सैकड़ों पत्रकार सड़कों पर उतर आए और जोरदार नारेबाजी करते हुए उनके तत्काल निलंबन की मांग की। देश के सबसे पुराने पत्रकार संगठन IFWJ के आह्वान पर आयोजित इस प्रदेश स्तरीय विरोध प्रदर्शन में राजस्थान के विभिन्न जिलों से पत्रकार जैसलमेर पहुंचे। हनुमान सर्किल स्थित गांधी दर्शन से शुरू हुई विशाल रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर के खिलाफ कड़ा रोष जताया। धरना स्थल पर संबोधित करते हुए IFWJ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि कलेक्टर द्वारा उनके 'स्वाद रेस्टोरेंट' पर की गई कार्रवाई पूरी तरह द्वेषपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की आवाज दबाने के लिए उनके रोजगार को निशाना बनाया जा रहा है और झूठे मुकदमों के जरिए डराने-धमकाने की कोशिश की जा रही है, जिसे संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदेश महासचिव मनवीर सिंह चुंडावत ने चेतावनी दी कि पत्रकार डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा, लेकिन साथ ही सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो जयपुर में मुख्यमंत्री का घेराव भी किया जाएगा।

22 साल में नहीं दिखी गड़बड़ी, तो अब कार्रवाई क्यों

प्रदेश सचिव एवं जोधपुर संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करणोत ने सवाल उठाते हुए कहा कि 'स्वाद रेस्टोरेंट' वर्ष 2004 से संचालित हो रहा था और पिछले 22 वर्षों में किसी भी प्रशासनिक अधिकारी को इसमें कोई खामी नजर नहीं आई। उन्होंने कहा कि यदि लीज शर्तों का उल्लंघन था, तो नोटिस या जुर्माना लगाया जा सकता था, लेकिन सीधे सीज करने और फिर भवन तोड़ने की कार्रवाई कई सवाल खड़े करती है।

बर्खास्तगी की मांग तेज

धरना प्रदर्शन में विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों ने एक स्वर में कलेक्टर की बर्खास्तगी की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी पत्रकारिता की स्वतंत्रता का है।

हनुमान चालीसा पाठ, फिर सौंपा ज्ञापन

धरना समाप्ति के बाद सैकड़ों पत्रकारों ने तख्तियां लेकर रैली निकाली और पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। वहां हनुमान चालीसा का पाठ कर विरोध जताया गया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बड़े सवाल क्या प्रशासनिक कार्रवाई की आड़ में पत्रकारों को टारगेट किया जा रहा है? 22 वर्षों तक वैध मानी गई लीज पर अचानक सख्ती क्यों? क्या यह मामला लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है? जैसलमेर का यह विरोध प्रदर्शन अब प्रदेशव्यापी आंदोलन का रूप लेता दिख रहा है, यदि राज्य सरकार ने जैसलमेर कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत को तुरंत प्रभाव से निलंबित नहीं किया तो ये आंदोलन प्रदेश भर में होना तय हैं। इस अवसर पर जैसलमेर सहित राजस्थान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों की संख्या में पत्रकारों ने अपना प्रतिनिधित्व दर्शाया।

देर रात बापू बस्ती क्षेत्र के मकान में घुसे चोर चुराए जेवर और नगदी

मकान मालिक पत्नी का इलाज कराने गया अजमेर

राजस्थान दर्शन

निंबाहेड़ा। नगर की बापू बस्ती में लोकेश कोहली पिता भेरुलाल कोहली के घर में तीन दिन पूर्व रात के समय ताला तोड़कर चोर घर में घुसे और सोने एवं चांदी के जेवर तथा लगभग 1 लाख रपये चुरा कर ले गए। लोकेश के भाई जगजीवन कोहली द्वारा थाने में दी रिपोर्ट अनुसार उसका बड़ा भाई लोकेश कोहली जो उसके पड़ोस में रहता है जो 17 मार्च को उनकी पत्नी की तबीयत खराब होने से इलाज हेतु अजमेर लेके गया और उसके घर पर कोई नहीं था वे ताला लगाकर गये थे और इलाज की फाइल अंदर रह गयी थी जिसकी फाइल निकालने के लिए रात को ताला तोड़कर फाइल निकाली तथा दूसरा ताला लगावाया रात के समय उस ताले को तोड़कर कोई अज्ञात व्यक्ति अंदर मकान के अंदर घुसे और अंदर रखी अलमारी का ताला तोड़कर अलमारी में से सोने का हारसेट एवं चांदी के फायजेब बिच्छुडीया व ब्रेसलेट और नगद राशि करीबन एक लाख रूपये जो पच्चास पच्चास के नोट थे ले गए । जगजीवन की रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में अज्ञात के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया जिसका अनुसंधान प्रशिक्षु आरपीएस मुकेश कुमार द्वारा किया जा रहा है। आरपीएस मुकेश कुमार ने बताया कि घटना के आसपास क्षेत्र से सीसीटीवी फुटेज खंगालकर छानबीन की जा रही है।

सीमेंट से भरे ट्रेलर में पलटी खाने से लगी आग एक गाय मरी

नगर परिषद के अग्निशमन दस्ते ने आग पर पाया काबू

राजस्थान दर्शन

निंबाहेड़ा। नगर के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेतक टोल प्लाजा के पास शुक्रवार दिन में श्रीजी एंटरप्राइजेज का एक ट्रेलर आरजे 09 जीसी 3358 टायर फटने से अनियंत्रित होकर खेत में पलटी खा गया और उसके केबिन में आग लग गई इस दौरान एक गाय भी मर गई तथा खेत पर ट्यूबवेल चलाने के लिए बनी घूमटी क्षतिग्रस्त हो गई। नगर परिषद के अग्निशमन प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही तुरन्त अग्निशमन दस्ता मय दमकल वाहन RJ 09 GC 0465 मौके पर पहुंचा तथा आग पर काबू पाया। सुचना पर जेके सीमेंट तथा एक अन्य सीमेंट कारखाने की दमकल भी मौके पर पहुंची। समय रहते आग पर काबू पाने से बड़ा हादसा टल गया क्योंकि इस समय आसपास के खेतों में गेहूं की सूखी फसल खड़ी है। कोतवाली थाना से प्राप्त जानकारी अनुसार ट्रेलर चंदेरिया से सीमेंट भरकर झारखंड जा रहा था जो आक्या गांव के निकट चेतक टोल के पास आगे का टायर फटने से अनियंत्रित हो गया तथा एक खेत में पलटी खा गया और उसके केबिन में आग लग गई। ट्रेलर पलटी खाने से सीमेंट के कट्टे किसान के खेत में बिखर गए जिससे खेत में खड़ी फसल में भी नुकसान हुआ।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच शांति की अपील, भृगु पीठाधीश्वर गुरु गोस्वामी सुशील गिरी ने कहा–संवाद ही रास्ता

राजस्थान दर्शन

कोटा/नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर भारतीय सर्वधर्म संसद के संयोजक एवं महर्षि भृगु पीठाधीश्वर गुरु गोस्वामी सुशील गिरी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पवित्र रमजान माह में ईरान पर हमला मानवीय दृष्टि से अनुचित है, जिसमें निर्दोष नागरिकों, विशेषकर बच्चों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि जैसे भारत में नवरात्रि आस्था और साधना का पर्व है, वैसे ही रमजान मुस्लिम समुदाय के लिए इबादत और संयम का समय होता है। ऐसे अवसरों पर युद्ध और हिंसा किसी भी सभ्य समाज के अनुरूप नहीं है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'सर्वधर्म समभाव' की भारतीय परंपरा को वैश्विक शांति का आधार बताते हुए संवाद को ही एकमात्र समाधान बताया। गोस्वामी ने दावा किया कि उनके प्रयासों से होर्मुज़ मार्ग पुनः इस अवसर पर हिमालय परिवार के प्रदेश महामंत्री सच्चितानंद पारीक, जिला अध्यक्ष रमेश शर्मा व्यास, किशन पाठक, रमेश राठौड़, श्याम मनोहर हरित, नीलेश पारीक सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। उन्होंने सांस्कृतिक कूटनीति के तहत रामलीला के वैश्विक मंचन, पर्यटन विकास और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उनके अनुसार, कोटा में भी ऐसे आयोजनों से पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

बारिश ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों बे-मौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले एक सप्ताह से किसान गेहूं की फसल कटाई में जुटे हुए थे, लेकिन अचानक हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। जानकारी के अनुसारए कई किसानों की फसल खेतों में कटी हुई पड़ी थी, जिसे बारिश के कारण नुकसान होने की आशंका बढ़ गई है। अब किसानों को कटी हुई फसल को दोबारा पलटने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ेगी, जिससे समय और श्रम दोनों बढ़ेंगे। लगातार नमी के कारण गेंहु की फसल में पीलापन आने की संभावना है, जिससे गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। साथ ही कटी हुई फसल के खराब होने का खतरा भी बना हुआ है। किसानों ने बताया कि इस समय बारिश होना उनके लिए बड़ी परेशानी बन गया है। फसल को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें बार-बार खेतों में जाकर देखभाल करनी पड़ रही है। स्थिति को लेकर किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास आज निंबाहेड़ा में लेंगे समीक्षा बैठक

वर्ष 1992 में निंबाहेड़ा उपखंड अधिकारी के पद पर हुए थे तैनात

राजस्थान दर्शन

निंबाहेड़ा। राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास आज अपरान्ह 3 बजे पंचायत समिति निंबाहेड़ा के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामचंद्र खटीक ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विभागों की अद्यतन जानकारी एवं प्रगति विवरण के साथ नियत समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय हे की वर्ष 1989 बेच के भारतीय प्रशासनिक अधिकारी वी. श्रीनिवास विशाखापट्टनम निवासी है उनकी प्रशिक्षण उपरांत पहली पोस्टिंग भीलवाड़ा उपखंड अधिकारी के पद पर अगस्त 1991 में हुई तथा दूसरी पोस्टिंग निंबाहेड़ा उपखंड अधिकारी के पद पर हुई इसके तहत उन्होंने 26 फरवरी 1992 से 15 अगस्त 1993 तक निंबाहेड़ा में सेवाएं दी। उनका यह कार्यकाल नगर के आमजन द्वारा बहुत ही सराहा गया क्योंकि उन्होंने ईमानदारी निष्पक्ष एवं दबंगता से कार्य किया। कुछ जानकार बताते हैं कि उनके कार्यकाल में उन्होंने निंबाहेड़ा में सटोरियों पर नकेल कसी तथा सट्टा नहीं चलने दिया। बता दे कि उनके अब तक कार्यकाल में वे दो बार उपखंड अधिकारी भीलवाड़ा एवं निंबाहेड़ा तथा दो बार जिला कलेक्टर पाली एवं जोधपुर के पद पर रहे हे हालांकि इन पदों पर उनका कार्यकाल लंबे समय तक नहीं रहा इसके अलावा उन्होंने दिल्ली एवं राजस्थान के विभागों में उच्च पदों पर अपनी सेवाएं दी।

बिजयपुर में बड़े धूमधाम से महर्षि गौतम जयंती मनाई

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। बिजयपुर ग्राम में महर्षि गौतम जयंती के पावन दिवस पर अनेक कार्यक्रम हुए गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित राकेश शास्त्री ने बताया कि नव वर्ष व महर्षि गौतम जयंती पर भगवान महर्षि गौतम भगवान की भव्य झांकी बनाकर बिजयपुर ग्राम में नगर भ्रमण करते हुए पुनः नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंचकर भगवान नर्मदेश्वर महादेव की महाआरती की गई बाद में भगवान महर्षि गौतम भगवान को महा भोग लगाकर महाप्रसाद का वितरण किया गया इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष सरपंच श्याम लाल शर्मा ने महर्षि गौतम भगवान के पदचिन्ह पर चलकर समाज आगे बढे समाज एकजुट होकर समाज को आगे बढे इस अवसर पर गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज के कोषाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने समाज के बंधुओ को तन मन धन से समर्पित होकर समाज की सेवा करने का आवाहन किया इस अवसर समाज के सरक्षक पुर्व अध्यक्ष घनश्याम उपाध्याय , संरक्षक वेंकटेश्वर शर्मा, पुर्व अध्यक्ष शिवलाल शर्मा,सरक्षक शंभुलाल शर्मा , संरक्षक किशनजी द्विवेदी,पुर्व अध्यक्ष व सरपंच श्रीमान श्यामलालजी शर्मा, पुर्व अध्यक्ष संजय जी शर्मा,श्रीमान सत्यनारायण भट्ट, विरेन्द्रजी शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, पुर्व अध्यक्ष जमनालाल शर्मा, मुरलीधर तिवारी , पुर्व कोषाध्यक्ष रामचन्द्र तीवारी, पुर्व कोषाध्यक्ष चन्द्रशेखर द्विवेदी, रामेश शर्मा, उमाशंकर उपाध्याय , राजेंद्र भट्ट, समाज के सचिव राजेंद्र शर्मा (पप्पू शर्मा), रतनजी भट्ट, नंदकिशोर तीवारी, सत्यनारायण जी तिवारी , राजेंद्र तिवारी, राकेश तिवारी, शिवलाल तिवारी, दुर्गाप्रसाद, हेमशंकर पंचोली, सत्यनारायण शर्मा, विपिन शर्मा,श्रीमान शिवलालजी तिवारी , विष्णुजी द्विवेदी, देवकिशन उपाध्याय, रामेश्वर तिवारी, भेरुशंकर शर्मा,निरज तिवारी, दर्पण शर्मा, समस्त गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज विजयपुर के बडे बुजुर्ग मातृ शक्ति व युवा शक्ति उपस्थित रहे समाज के उपाध्यक्ष फतेहलाल शर्मा ने सभी समस्त गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज बिजयपुर समाज जनों को हृदय की असीम गहराइयों से बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया।

लायंस क्लब कोटा का होली मिलन समारोह सम्पन्न

राजस्थान दर्शन

कोटा। लायंस क्लब कोटा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। अध्यक्ष सोनल नंदवाना ने बताया कि संगीतमय संध्या में पुराने और नए गीतों का मधुर संगम देखने को मिला, जिसने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। पुष्प वर्षा और होली गीतों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को समरसता के रंगों से सराबोर कर दिया। कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि इस अवसर पर मुंबई से आईं प्रसिद्ध सेलिब्रिटी सिंगर्स मौसमी घोष, मौसमी अधिकारी, जगदीश निर्मल और अमित बंसल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। अतिथियों ने फूलों के साथ होली खेलते हुए नृत्य और उल्लास के साथ कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। सचिव लायन मुकेश विजयवर्गीय ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरमैन (जोधपुर जोधाणा) लायन ज्ञान ज्योति गुप्ता,वीडीजी–2 एमजेएफ लायन सीपी विजयवर्गीय, लायन प्रभा विजयवर्गीय, पीडीजी पीएमजेएफ लायन राजेंद्र अग्रवाल, लायन मंजू अग्रवाल, रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ. सुषमा, लायन मंजुला जैन, लायन सुनीता गर्ग सहित सभी क्लब अध्यक्ष एवं सचिव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। लायंस क्लब कोटा के सभी 80 सदस्यों सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संचालन एमजेएफ लायन अशोक नुवाल ने किया, कार्यक्रम व्यवस्था एमजेएफ लायन सुधाकर बहेड़िया द्वारा उत्कृष्ट रूप से की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा लायन सुनील आनंद ने तैयार की तथा आभार लायन मुकेश विजयवर्गीय ने व्यक्त किया। इस अवसर लक्ष्मीकांत पारीक,सुनील आंनद,प्रभा विजय,रमेश शर्मा,मुकेश विजयवर्गीय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शहरवासियों को देखने को मिलेगा भक्ति और आधुनिक संगीत का अद्भुत संगमः कुश गरबानी

जेसीआई चित्तौड़ चेतक द्वारा आज 'भजन जेमिंग कॉन्सर्ट' का भव्य आयोजन

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। जेसीआई चित्तौड़ चेतक के तत्वावधान में एक अनूठे एवं भव्य 'भजन जेमिंग कॉन्सर्ट' का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष कुश गुरबानी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष संगीतमय संध्या आज रात्रि 8 बजे होटल पद्मिनी में आयोजित होगी, जिसमें शहरवासियों को भक्ति और आधुनिक संगीत का अद्भुत संगम अनुभव करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम निदेशक जेसी महावीर सेठिया ने बताया कि इस कॉन्सर्ट की खासियत यह है कि इसमें पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत के साथ प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे युवाओं एवं सभी आयु वर्ग के लोगों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम में उत्तराखंड एवं जयपुर से आए विशेष बैंड अपनी प्रस्तुतियों से समा बांधेंगे और पूरे माहौल को भक्तिमय एवं ऊर्जावान बना देंगे। कार्यक्रम को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए इसे एक सामाजिक उद्देश्य से भी जोड़ा गया है। सचिव तुषार सुहलका ने बताया कि इस आयोजन से प्राप्त होने वाली संपूर्ण राशि का उपयोग समाजहित में 'मोक्ष रथ' की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु किया जाएगा। यह पहल विशेष रूप से जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और शहर में एक महत्वपूर्ण सामाजिक सहयोग के रूप में स्थापित होगी।उन्होंने यह भी बताया कि जेसीआई चित्तौड़ हमेशा से सामाजिक सरोकारों के साथ जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध रही है, और यह आयोजन उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने शहर के समस्त नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भक्ति, संगीत और सेवा के इस अनूठे संगम का हिस्सा बनें एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया आईएमए भवन का भूमि पूजन

आईएमए कोटा का विस्तार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया शिलान्यास

आईएमए का नया भवन बनेगा नवाचार और सेवा का केंद्रः ओम बिरला

राजस्थान दर्शन

कोटा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) कोटा शाखा द्वारा केडीए से आवंटित नई भूमि पर गुरुवार को भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष ने विधिवत शिलान्यास कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. निलेश जैन (प्राचार्य एवं नियंत्रक, चिकित्सा महाविद्यालय कोटा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईएमए कोटा के अध्यक्ष डॉ. के.सी. श्रृंगी ने की। मुकुंदरा विहार स्थित स्थल पर आयोजित समारोह में पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और डॉ अशोक शारदा, डॉ. के.के. पारीक, डॉ. मोहन मंत्री, डॉ मीनाक्षी शारदा, डॉ. अमित व्यास, डॉ. जे कि सिंघवी, डॉ एस एन सोनी, डॉ आर पी मीना, डॉ समीर मेहता सहित अनेक चिकित्सक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।उपाध्यक्ष डॉ दीपक गुप्ता ने सभी चिकित्सकों से नए भवन के निर्माण में खुले हाथो से सहयोग की अपील करी । आईएमए कोटा के सचिव डॉ. मनीष बोहरा ने बताया कि प्रस्तावित भवन चिकित्सकों की गतिविधियों के विस्तार के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक शारदा ने जानकारी दी कि लगभग 1500 वर्गमीटर का भूखंड पूर्व मंत्री शांति धारीवाल के कार्यकाल में प्राप्त हुआ था, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से अंतिम रूप मिला। इस अवसर पर ओम बिरला ने कहा कि प्रस्तावित आईएमए भवन केवल एक संरचना नहीं, बल्कि कोटा के चिकित्सा क्षेत्र को नई दिशा देने वाला केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों ने सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ समाज को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसका उदाहरण कोरोना काल में देखने को मिला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह भवन नवाचार, चिकित्सा विमर्श और सामाजिक सेवा का केंद्र बनेगा तथा ग्रामीण एवं जरूरतमंद क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में सहायक होगा। साथ ही कोटा को शिक्षा के साथ एक सशक्त मेडिकल हब के रूप में विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

वन राज्यमंत्री ने किया दिवाकरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास

राजस्थान दर्शन

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शुक्रवार को दिवाकरी में करीब 1.60 करोड़ रूपये लागत राशि से बनने वाले राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन का विधि विधान से भूमि पूजन कर शिलान्यास किया तथा महिलाओं से नींव में शिला रखवाकर नजीर पेश की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बजट में ग्राम पंचायत दिवाकरी में सब सेंटर को पीएचसी क्रमोन्नत करने पर आभार जताते हुए कहा कि आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास किया गया है तथा इसी वर्ष इसे पूरी तरह तैयार कर चालू करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पीएचसी के शुरू होने से स्थानीय लोगों को ही नहीं बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के 50 हजार से अधिक ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा, निःशुल्क जांच व दवा का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में अलवर का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता है। इसी दिशा में कार्य करते हुए जिले के चहुंमुखी विकास के काम कराए जा रहे हैं।

अलवर शहर में चिकित्सा सुविधा में हो रहा है तेजी से इजाफा

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चिकित्सा क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की दिशा में निरन्तर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अलवर शहर को विशेष तरजीह देते हुए शिवाजी पार्क पीएचसी को सीएचसी में तथा रूपबास सबसेंटर को पीएचसी में क्रमोन्नत किया है, जिनके भवन को शीघ्र तैयार कराया जाएगा। साथ ही शिशु वार्ड को शिशु अस्पताल का दर्जा दिया गया है, जिसका काम भी शीघ्र चालू होगा। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में मरीजों की बढती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए इसी वर्ष बजट में 650 बैड संख्या को बढाकर 750 बैड किया गया है। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से मरीजों को राहत प्रदान करने हेतु जिला चिकित्सालय में ही पैथोलॉजी विभाग में फाइन निडल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी (एफएनएसी) केंद्र का उद्घाटन कर कैंसर एवं अन्य रोगों की जांच सेवा का शुभारंभ किया तथा करीब 50 करोड रूपये के बजट राशि से अस्पताल में ही कैंसर की जांचें शुरू की जाएगी। 50 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा पीएचसी से लाभ, 450 तरह की दवा व 40 प्रकार की जांचे होंगी निःशुल्क मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि पीएचसी भवन करीब 1.60 करोड़ रूपये लागत राशि से भवन इसी वर्ष सितम्बर माह तक तैयार कराया जाएगा, जिसमें करीब 450 तरह की दवाइयां एवं करीब 40 प्रकार की जांचे निःशुल्क उपलब्ध होंगी। साथ ही पीएचसी में 6 बैड एवं एक चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि पीएचसी से आसपास की 50 हजार से अधिक की जनसंख्या को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में निवर्तमान सरपंच मीना लक्ष्मण सिंह ने अतिथियों का आभार जताया। मंच संचालन हंसराज पटेल ने किया।

पचपदरा में विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

चिकित्सकों ने दिए स्वस्थ दांतों के टिप्स, तंबाकू से दूर रहने का दिया संदेश

राजस्थान दर्शन

बालोतरा। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पचपदरा में शुक्रवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को मुख एवं दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। इस दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने उपस्थित लोगों को दांतों की नियमित सफाई, सही तरीके से ब्रश करने, संतुलित आहार अपनाने तथा तंबाकू उत्पादों से दूर रहने की महत्वपूर्ण सलाह दी। दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. घनश्याम खोरवाल ने बताया कि नियमित जांच और उचित देखभाल से अधिकांश मुख रोगों से बचाव संभव है। कार्यक्रम के तहत निःशुल्क दंत जांच शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लेकर अपने दांतों की जांच करवाई। मरीजों को आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां भी वितरित की गईं, जिससे उन्हें राहत मिली। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दीपक गोयल, डॉ. खुशवंत खत्री, नर्सिंग ऑफिसर कमलेश भाटी, दल्लाराम खारवाल सहित अन्य स्टाफ एवं स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को मुख स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया।

समदड़ीः ग्राम विकास अधिकारी संघ की 'हुंकार', ब्लॉक अध्यक्ष चंपावत के नेतृत्व में ग्राम सभाओं का पूर्ण बहिष्कार

राजस्थान दर्शन

समदड़ी राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान का असर समदड़ी ब्लॉक की समस्त ग्राम पंचायतों में व्यापक रूप से देखा गया। ब्लॉक अध्यक्ष माधुसिंह चांपावत के नेतृत्व में क्षेत्र के समस्त ग्राम विकास अधिकारियों ने राज्य सरकार और पंचायती राज विभाग के 'तानाशाही पूर्ण' रवैये के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए गुरुवार को आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभाओं का पूर्ण बहिष्कार किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष माधु सिंह चांपावत ने कहा कि विभाग राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 और नियम 1996 का खुला उल्लंघन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया: विशेष ग्राम सभा के लिए कम से कम 3 कार्य दिवस की पूर्व सूचना अनिवार्य है, लेकिन विभाग ने मात्र 24 घंटे पहले 19 मार्च को आदेश जारी कर कर्मचारियों पर अनुचित दबाव बनाने का प्रयास किया है। नियमों के विरुद्ध ऐसी कार्यप्रणाली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ' समदड़ी ब्लॉक में ग्राम सभाएं नहीं होने से विकास कार्यों के अनुमोदन और लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई है। ग्रामीणों को भी बिना किसी कार्यवाही के वापस लौटना पड़ा।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने चेटीचंड महोत्सव में की शिरकत

भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

राजस्थान दर्शन

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा आज होप सर्कस पर चेटीचंड महोत्सव पर महाआरती कार्यक्रम में भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने चेटीचंड महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व व त्योहार हमारे जीवन का मूल आधार है जो सामाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम एवं भाईचारे का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि सिंधी समुदाय भगवान झूलेलाल को अपने आराध्य देव के रूप में पूजते हैं। इस अवसर पर संयुक्त व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह, सिंधी पंचायत समिति के अध्यक्ष रमेश चौथानी, रमेश नरवानी, डॉ. मोहनलाल सिंधी, महेश निहालवानी, पं. जलेसिंह, नितिन सनपल, विनोद शैतानी, पुनीत भवानी, विजय जामुनानी, नरेश तखतानी, रितेश ठाकुर सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

प्रशासनिक सतर्कता के बीच कनाना में भव्य महायज्ञ की तैयारियां तेज

राजस्थान दर्शन

बालोतरा। जिले के कनाना गांव में आयोजित होने जा रहे भव्य ललिता सहस्त्र कुंडीय महायज्ञ को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय और मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार ने यज्ञ स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भी साथ रही। अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। जानकारी के अनुसार कनाना गांव में 22 से 24 मार्च तक 1008 कुंडीय महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देशभर से संत-महात्माओं के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। जिला कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो और हर व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। प्रशासन की सक्रियता को देखते हुए आयोजन स्थल पर व्यवस्थाएं अंतिम चरण में हैं और पूरे क्षेत्र में इस भव्य धार्मिक आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है।

विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस पर नाहटा अस्पताल में जागरूकता अभियान शुरू

20 से 26 मार्च तक चलेगा मुख स्वास्थ्य सप्ताह

तंबाकू से दूर रहने व नियमित सफाई की दी सलाह

राजस्थान दर्शन

बालोतरा। शहर के राजकीय नाहटा जिला चिकित्सालय में शुक्रवार को विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीएमओ डॉ. संदीप देवात के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किया गया। इस दौरान चिकित्सकों ने आमजन को मुख स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और बीमारियों से बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी। दंत चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराधा ने बताया कि विश्व मुख स्वास्थ्य सप्ताह 20 मार्च से प्रारंभ होकर 26 मार्च तक मनाया जाएगा। इस पूरे सप्ताह के दौरान अस्पताल में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को दांतों एवं मुख की साफ-सफाई, रोगों की रोकथाम और समय पर उपचार के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. राणुलाल खत्री प्रमुख विशेषज्ञ मेडिसिन, डॉ. राकेश ओस्तवाल वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. नरेन्द्र चौधरी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. अरविन्द पटेल वरिष्ठ विशेषज्ञ सर्जरी, सियाराम काउंसलर, तथा अंजली शर्मा दंत सहायक सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन को समय रहते सचेत करना है, ताकि छोटी समस्याएं गंभीर रूप न ले सकें और लोग स्वस्थ जीवन जी सकें।

जिला अभिभाषक संघ की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

राजस्थान दर्शन

बालोतरा। शहर के रणुजा धाम में जिला अभिभाषक संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला एवं सेशन न्यायाधीश एम.आर. सुथार मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता परिषद प्रांत जोधपुर के अध्यक्ष सुनील जोशी ने की। कार्यक्रम से पूर्व न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर के जिला एवं न्यायालय परिसर पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद जिला एवं सेशन न्यायाधीश एम.आर. सुथार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके पश्चात रणुजाधाम में मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। जिला अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ओमप्रकाश डाभी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस दौरान पारिवारिक न्यायाधीश अजीज खां, पोक्सो न्यायाधीश राजेंद्र बंशीवाल, एडीजे नीरज भांभू, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सिद्धार्थ दीप, सीजेएम नुकेश भुंगोरा, प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट जेजेबी पूरणसिंह, स्थाई लोक अदालत अध्यक्ष संतोष मितल, एसीजेएम संख्या 1 रामचंद्र चौहान, एसीजेएम संख्या 2 सुनिता जिंदोलिया, एजेएम सोनल ललवानी, कलेक्टर सुशील कुमार यादव, सचिव विक्रम आशिया, संयुक्त सचिव प्रेमराज पंवार, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्रसिंह राजपुरोहित, भूराराम चौधरी, खुशालाराम पटेल, सुरेश नारायण खारवाल, लादूराम चौधरी, बाबूलाल सांखला, उम्मेदसिंह चंपावत, महेंद्र पिथाणी, संतोष भंसाली, सुरेश चारण, जगदीश व्यास, करणसिंह चारण, खेतसिंह महेचा, राजेंद्रपालसिंह कंवरली, प्रदीपसिंह चौहान, करणसिंह सोलंकी, रमेश कुमार कच्छवाह, संपतसिंह खारवाल, सांवलराम सेजू, सोहनलाल बारूपाल, दिनेश कुमावत, ओमसिंह राजपुरोहित, रोशन पालीवाल, मोहित सोलंकी, सुरजभानसिंह, नीरज चौधरी, दिव्या, हेतल, राजेश्वरी सहित अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्रसिंह चारण ने किया।

बसंतगढ़ में तेंदुए की दस्तकः शाम ढलते ही घरों में कैद हुए ग्रामीण, वन विभाग ने डाला डेरा

राजस्थान दर्शन

पिंडवाड़ा । क्षेत्र के बसंतगढ़ और आसपास के ग्रामीण इलाकों में पिछले कुछ दिनों से तेंदुए (पैंथर) की लगातार हलचल ने भारी दहशत पैदा कर दी है। जंगली जानवर के रिहायशी इलाकों के करीब देखे जाने से ग्रामीणों में डर का माहौल है, जिसके चलते लोग अब सूरज ढलने के बाद घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं।

निगरानी के लिए बिछाया जालः

वन विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इलाके में गश्त बढ़ा दी है। रेंजर प्रेम सागर के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम तेंदुए की गतिविधियों को ट्रैक कर रही है। विभाग ने संवेदनशील स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए हैं और तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए पिंजरा भी लगा दिया गया है।

पशुपालकों की बढ़ी चिंताः

ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। खुले में बंधे मवेशियों पर हमले के खतरे को देखते हुए उन्हें सुरक्षित बाड़ों में रखने की सलाह दी गई है।

इनका कहना है

'वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। ग्रामीण किसी भी स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या पदचिह्न दिखने पर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचित करें।' – प्रेम सागर, रेंजर

पुलिस का बड़ा खुलासाः 'ऑपरेशन अश्ववेग' में अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश

पिकअप, मोटरसाइकिल व ऑल्टो कार बरामद

हिस्ट्रीशीटर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार, कई वारदातों का खुलासा

राजस्थान दर्शन

बालोतरा। जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 'ऑपरेशन अश्ववेग' के तहत अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने चोरी की पिकअप, मोटरसाइकिल और एक ऑल्टो कार बरामद की है। साथ ही हिस्ट्रीशीटर शैतानराम सहित तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस अधीक्षक रमेश आईपीएस ने बताया कि जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वृताधिकारी के निर्देशन तथा थाना सिवाना पुलिस की टीम द्वारा यह बड़ी कार्रवाई की गई।पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी शैतानराम एक हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पहले से करीब 29 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर क्षेत्र में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था और चोरी के वाहनों को बेचकर आर्थिक लाभ उठाता था। पहली घटना में 16 फरवरी को एक पिकअप वाहन चोरी हुआ था, जो बालोतरा क्षेत्र के पास खड़ा था। वहीं दूसरी घटना 8 फरवरी की है, जिसमें एक मोटरसाइकिल को मॉमडर्न ग्राउंड के पास से चोरी कर लिया गया। दोनों मामलों में पुलिस ने अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना और संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए पुलिस ने मुल्जिमों को चिन्हित किया। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदातें कबूल कर ली। मुख्य आरोपी शैतानराम के खिलाफ वाहन चोरी के करीब 25 मामले सहित अन्य गंभीर अपराधों के कुल 29 प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और विभिन्न क्षेत्रों में वारदातों को अंजाम दे रहा था।बालोतरा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोह का बड़ा नेटवर्क उजागर हुआ है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर अन्य वारदातों के खुलासे में जुटी है।

JPL-2 क्रिकेट महाकुंभ का ऐतिहासिक समापनः बारिश ने रोका खेल, तो खेल भावना ने जीता दिल

फ्रेंड्स क्लब और पालीवाल पैंथर्स बने संयुक्त विजेता; 31,000 और 21,000 की पुरस्कार राशि का हुआ बराबर वितरण

राजस्थान दर्शन

झाड़ोली/पिण्डवाड़ा। झाड़ोली के सिवेरा रोड स्थित खेल मैदान पर आयोजनकर्ता समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित 'JPL-2' डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन एक यादगार उत्सव के रूप में हुआ। पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बने इस टूर्नामेंट ने अंतिम पड़ाव पर खेल भावना की एक नई मिसाल पेश की है।

बारिश के कारण लिया गया संयुक्त विजेता का निर्णय

गुरुवार रात को टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले संपन्न होने के बाद खिताबी भिड़ंत फ्रेंड्स क्लब और पालीवाल पैंथर्स के बीच होनी थी। पूरा मैदान दूधिया रोशनी में नहाया हुआ था और दर्शकों में भारी उत्साह था, तभी अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरू हो गई। काफी इंतजार के बाद भी जब मैदान खेलने लायक नहीं रहा, तो सरपंच कैलाश सुथार और आयोजन कमेटी ने परिपक्वता दिखाते हुए एक बड़ा निर्णय लिया। सरपंच सुथार के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से फ्रेंड्स क्लब और पालीवाल पैंथर्स को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। टूर्नामेंट के लिए निर्धारित प्रथम पुरस्कार राशि ?31,000 और द्वितीय पुरस्कार राशि ?21,000 को दोनों टीमों में बराबर-बराबर वितरित कर खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाया गया।

विजय जुलूसः 'तिलूडी' की धुन और गुलाल के रंगों में रंगा झाड़ोली

प्रतियोगिता की अगली सुबह झाड़ोली गांव के लिए नई उमंग लेकर आई। दोनों विजेता टीमों ने संयुक्त रूप से डीजे की गाड़ी के साथ पूरे गांव में एक भव्य विजय जुलूस निकाला। जैसे ही डीजे पर प्रसिद्ध राजस्थानी गीत 'तिलूडी रे तिलूडी' सहित कई अन्य लोकप्रिय गानों की धुन बजी, खिलाड़ी और युवा खुद को रोक नहीं पाए और सड़क पर ही जमकर डांस किया। सरपंच कैलाश सुथार और महावीर सिंह देवड़ा के मार्गदर्शन में युवाओं की टीम, जिसमें केपी देवासी, विष्णु सोलंकी, पंकज गर्ग, कुणाल सिंह, महेन्द्र भाटी, राजेन्द्र सिंह पंवार, गौरव सोलंकी और प्रदीप मेघवाल शामिल थे, ने दिन-रात मेहनत कर इस आयोजन को सफल बनाया।

प्रबुद्ध जनों की गरिमामयी उपस्थिति

टूर्नामेंट के दौरान जीतू बिश्नोई, विक्रम गर्ग और दिनेश विश्नोई ने अपनी शानदार कमेंट्री से दर्शकों का मनोरंजन किया। समापन समारोह में मोहन सिंह चौहान, गजेन्द्र सिंह पंवार, राजू भाई पुरोहित, ईश्वर सिंह दहीया और नेमीचंद खण्डेलवाल जैसे प्रबुद्ध जनों ने शिरकत की। आयोजन कमेटी ने समस्त ग्रामवासियों और क्षेत्र की जनता का विशेष आभार जताया, जिन्होंने अंत तक खेल के प्रति अपना जुड़ाव बनाए रखा।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का जयपुर घेराव, उदयपुर जिला अध्यक्ष पहुंचे नयागांव

राजस्थान दर्शन

नयागांव। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष अर्जून सिंह चुंडावत आज जिले के दौरे पर रहें, जिला अध्यक्ष उदयपुर 29 मार्च को जयपुर में प्रस्तावित सीएम हाउस घेराव को सफल बनाने के लिए आज नयागांव उपखंड के छाणी रावला में नयागांव, खैरवाड़ा के करणी सेना संगठन के करणी एस सैनिक और सर्व समाज के लोगो को संबोधित किया, जयपुर में 29 तारीख को विभिन्न मांगो को लेकर घेराव किया जायेगा। यह कार्यक्रम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पुर्व घोषित आह्वान के तहत् आयोजित किया जा रहा है, जिला अध्यक्ष अर्जून सिंह चुंडावत ने बताया की उदयपुर जिले के हर तहसील पर बैठक आहूत की जा रही है, बैठक में कार्यकर्ताओ को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, और रणनीति

को अंतिम रूप दिया जा रहा है, आज छाणी रावला परिसर में जिला अध्यक्ष और पूरी टीम का गर्म जोशी के साथ स्वागत अभिनंदन के साथ मेवाड़ी साफा, पगड़ी, उपरना पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया और नयागांव और खेरवाड़ा की तहसील कार्यकरिणी का विस्तार करते हुवे उन्हें नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए, बैठक में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को न्याय दिलाने और सरकार द्वारा लाए गए त्तष्ट कानून के लिए भी अपनी बात रखी, इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह चुंडावत गढ़पुरा, संभाग उपाध्यक्ष सतवीर सिंह पहाड़ा ,ग्रामीण जिला अध्यक्ष भेरू सिंह राणावत, जिला प्रभारी गोकुल सिंह दुलावत जिला संरक्षक करण सिंह राठौड़ जिला उपाध्यक्ष हरि सिंह दुलावत जिला मंत्री शूरवीर सिंह मीडिया प्रभारी हर्षवर्धन सिंह खेरवाड़ा विधानसभा अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह, नयागांव तहसील अध्यक्ष रूप सिंह ,खेरवाड़ा तहसील अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह चौहान ,राजस्थान मीडिया प्रभारी जसवंत सिंह सिसोदिया समेत छाणी के जैन समाज के अध्यक्ष समेत कई करणी सैनिक उपस्थित हुवे, नयागांव, खेरवाडा तहसील से दो बसों और निजी वाहनों से सैकडो करणी सैनिक 28 को जयपुर के लिए रवाना होंगे और 29 को विभिन्न जायज मांगों को लेकर सीएम हाउस का घेराव करेंगे।

पदराडा ग्राम पंचायत में विकास को लेकर मंथन, वार्डवार समस्याओं के समाधान पर बनी रणनीति

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा। सायरा के ग्राम पंचायत पदराडा मुख्य चौराहे पर शुक्रवार को गांव के विकास कार्यों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गांव की युवा शक्ति, मातृशक्ति, पूर्व वार्ड पंचों सहित क्षेत्र के वरिष्ठजनों (मोतबीरों) ने भाग लेकर विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य पंचायत क्षेत्र में लंबित विकास कार्यों की समीक्षा करना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की रणनीति तैयार करना रहा। इस दौरान वार्ड संख्या 1 से लेकर वार्ड संख्या 7 तक के अधूरे कार्यों और आवश्यक विकास योजनाओं पर बिंदुवार मंथन किया गया। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से उन प्रमुख समस्याओं और विकास कार्यों की सूची तैयार की, जिन्हें जल्द ही ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृति दिलाकर पूर्ण कराया जा सके। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए जनसहभागिता बेहद आवश्यक है और इसी उद्देश्य से इस तरह की बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। अंत में बैठक में उपस्थित सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने गांव के विकास के लिए अपने सुझाव देकर बैठक को सफल बनाया।

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी की बैठक

राजस्थान दर्शन

सेमारी। ग्राम विकास अधिकारियों का आंदोलन सफल, सलूम्बर जिले में ग्राम सभाएं रही असफल । राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के आह्वान पर चल रहा 'पदोन्नति नहीं तो काम नहीं ' आंदोलन जिले में पूरी तरह सफल रहा। जिला अध्यक्ष शंकर कुम्हार ने दावा किया कि संघ के सामूहिक निर्णय के चलते जिले में निर्धारित तिथि पर एक भी ग्राम सभा विधिवत रूप से आयोजित नहीं हो सकी। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा ग्राम सभाएं करवाने के लिए भरसक प्रयास किए गए लेकिन प्रशासन ग्राम सभाओं का आयोजन सुनिश्चित नहीं कर पाया। संघ के जिला मंत्री राजेंद्र मीणा के अनुसार उच्च अधिकारियों के दबाव में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अन्य कार्मिकों को ग्राम सभाएं कराने के आदेश भी जारी किए गए, किन्तु ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों तक सूचना समय पर नहीं पहुंच पाई, जिसके कारण अधिकांश स्थानों पर जनता नदारद रही। हालात यह रहे कि कई जगहों पर अधिकारी केवल फोटो खिंचवाने के लिए इधर-उधर से लोगों का जुगाड़ करते नजर आए। प्रदेश प्रतिनिधि भानू प्रताप सिँह ने आंदोलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बताते हुए सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि ग्राम विकास अधिकारियों की वर्षों से लंबित पदोन्नतियों सहित अन्य मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन और अधिक उग्र होगा।

मुख्य सचिव का भीलवाड़ा दौरा, नितिन स्पिनर्स का किया निरीक्षण

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा पहुंचे। उन्होंने 'कॉटन कस्तूरी' विषय पर आयोजित उद्यमियों व निवेशकों के संवाद कार्यक्रम में भाग लेकर वस्त्र उद्योग की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने नितिन स्पिनर्स लिमिटेड का निरीक्षण कर उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन किया और आधुनिक तकनीकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा वस्त्र उद्योग में तेजी से आगे बढ़ रहा है और 'कस्तूरी कॉटन' के जरिए वैश्विक पहचान बना सकता है। इस दौरान अशोक कोठारी, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू सहित कई उद्योगपति व अधिकारी मौजूद रहे।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर पोस्टर विमोचन व बैठक आहूत

राजस्थान दर्शन

नयागांव। नयागांव उपखंड के ग्राम पंचायत थाणा में हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रबुद्धजन,युवा मंडल व सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई। प्रधानाचार्य खेमराज प्रजापत के अनुसार बैठक की अध्यक्षता पूर्व सरपंच गौतम लाल पटेल, मुख्य अतिथि भगवान गिरी गोस्वामी, विशिष्ट अतिथि भगवती लाल पटेल, कृष्ण रावल,गोपाल कलाल थे। बैठक में 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव आयोजित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्वक्ता के लिए प.पू. ब्रह्मचारी श्री श्री गुरु जी गुलाब दास महाराज मॉंकड़ादेव धाम झाड़ोल को तय किए गए। जन्मोत्सव में भव्य शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया गया जो गांव के मुख्य मार्ग से होती हुई आदर्श संस्थान परिसर में प्रवचन करवाने का निर्णय लिया गया। बैठक में टेंट,साउंड,जल व्यवस्था,प्रसाद वितरण सहित सम्पूर्ण व्यवस्था के प्रभार दिए गए।बैठक में पत्रक विमोचन भी किया गया।

सामूहिक विवाह को भव्य बनाने की तैयारी, समाजजनों ने लिया संकल्प

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। उदयपुर में मेघवाल समाज के आगामी 20 अप्रैल को प्रस्तावित सामूहिक विवाह समारोह को लेकर शुक्रवार को जोगणिया माताजी परिसर पावर हाउस गोवला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मांगीलाल मेघवाल गुडली ने की। इसमें समाज के मौतबीरों, वरिष्ठजनों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही। बैठक में सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियों, व्यवस्थाओं और आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के वरिष्ठजनों ने इसे एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल बताते हुए अधिक से अधिक समाजजनों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए भी सहायक साबित होते हैं। इस दौरान मेघवाल समाज युवा विकास संगठन द्वारा सामूहिक विवाह समारोह अपील के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार संभागभर से अधिक से अधिक जोड़ों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए समाज के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों में संपर्क कर जोड़ों को जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस सामाजिक आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। वहीं, युवा संगठन के अध्यक्ष सोहन लाल मेघवाल और उनकी टीम ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देने की बात कही। समाजजनों ने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन भव्य और प्रेरणादायक बनेगा।

गोगुंदा में तीन दिवसीय गणगौर मेला आज से शुरू, परंपरा और संस्कृति का दिखेगा अनोखा संगम

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा। मेवाड़ अंचल में आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति के प्रतीक गणगौर पर्व के अवसर पर गोगुंदा कस्बे में तीन दिवसीय गणगौर मेले का शुभारंभ शुक्रवार से हो गया। मेवाड़ महोत्सव के तहत आयोजित इस मेले को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है और पूरा कस्बा उत्सव के रंग में रंगा नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत के तत्वावधान में आयोजित इस मेले की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मेले के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, रोशनी और यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। उपखंड अधिकारी शुभम भैंसारे ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए, वहीं सरपंच कालूलाल गमेती ने मेले की तैयारियों की निगरानी करते हुए सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिलाया। गणगौर मेला मेवाड़ की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक माना जाता है। मेले के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गणगौर की पूजा-अर्चना, भव्य शोभायात्रा, लोकगीत-नृत्य एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मेले का मुख्य आकर्षण पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं द्वारा सिर पर गणगौर की प्रतिमाएं रखकर निकाली जाने वाली शोभायात्रा रहेगी। महिलाएं लोकगीत गाते हुए इस शोभायात्रा में भाग लेंगी, जो मेवाड़ की जीवंत सांस्कृतिक छवि को प्रदर्शित करेगी। तीन दिनों तक चलने वाले इस मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में गोगुंदा एक बार फिर लोक आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आएगा।

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' का मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने किया शुभारंभ

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा । राज्य के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान' के तहत ग्राम पंचायत स्वरूपगंज में आयोजित प्रथम ग्राम सभा में भाग लेकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अभियान की प्रगति एवं तैयारियों का जायजा लिया। मुख्य सचिव ने राजीविका स्टॉल का अवलोकन कर महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की एवं उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें युवा, नारी शक्ति, गरीब एवं अन्नदाता को केंद्र में रखते हुए योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम अभियान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दूरदर्शी विजन है, जिसका उद्देश्य प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के समग्र एवं योजनाबद्ध विकास को सुनिश्चित करना है। मुख्य सचिव ने बताया कि 'विकसित राजस्थान 2047' के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है, जिसके तहत राज्य को सतत आर्थिक वृद्धि के साथ सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधारभूत संरचना के विकास, औद्योगिक विस्तार एवं पूंजीगत व्यय में वृद्धि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आमलवा में 18 वर्षीय छात्र ने पेड़ से फंदा लगाकर दी जान

इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, कारणों का नहीं हुआ खुलासा

राजस्थान दर्शन

झल्लारा । थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमलवा में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां 18 वर्षीय युवक ने पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान हीरालाल (18) पुत्र मोतीलाल मीणा निवासी आमलवा के रूप में हुई है। वह कक्षा 11वीं का छात्र था और अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात मौसम खराब था और हल्की बारिश जैसे हालात बने हुए थे। इसी दौरान हीरालाल अपने कमरे में सोने चला गया, लेकिन देर रात किसी समय वह घर के बाहर गया और पास ही स्थित एक पेड़ पर फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सुबह जब परिजन जागे और बाहर आए तो युवक को पेड़ से लटका देखकर उनके होश उड़ गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही भबराना चौकी प्रभारी पुजी लाल मीणा, हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह व कांस्टेबल कपिल सुथार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई। ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल, सलूम्बर भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। झल्लारा थाना अधिकारी जय किशन ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस परिजनों और दोस्तों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके क्या कारण था ।

प्रपत्र संख्या 7

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग जोधपुर (राज.)

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

नोटिस

पत्रावली संख्या :- 03/2026 / जैसलमेर
वास्ते :-

सुधा चौहान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (1) के अंतर्गत समग्र समाज विकास समिति, जी-55, लक्ष्मीचंद सावल कॉलोनी, जैसलमेर प्रन्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिये निवेदन किया हैं।

अत एव धारा 18 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता हैं कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 (साठ) दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करें। आगामी पेशी तारीख 13.04.2026 की रखी गयी है।

और यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रस्ति मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 06.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग
जोधपुर

पदभार संभालने के बाद पहले ही दिन फील्ड में दिखे पुलिस अधीक्षक ,पुलिस लाइन से थाने तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

राजस्थान दर्शन

सलूंबर। जिले में नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक विशनाराम विश्नोई ने पदभार संभालते ही जिले में काम शुरू कर दिया। शुक्रवार को उन्होंने पुलिस व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानने के लिए निरीक्षणों का दौर शुरू किया, जिससे पुलिस महकमे में सक्रियता के संकेत मिले हैं। सबसे पहले एसपी विशनाराम विश्नोई ने पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। यहां जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने व्यवस्थाओं, अनुशासन और संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद एसपी सीधे सलूंबर थाने पहुंचे, जहां उन्होंने रिकॉर्ड रूम, मालखाना और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के

दौरान कई बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों से उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और एक-एक कर उनका परिचय लिया। इस दौरान जवानों की समस्याएं भी सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जनता का विश्वास जीतना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई, अनुशासन और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन की हर शिकायत पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और थाने में आने वाले लोगों को बेहतर व्यवहार के साथ राहत दी जाए। नए एसपी के सख्त और सक्रिय रुख से पुलिस विभाग में चुस्ती बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जिले की पुलिस व्यवस्था में और सुधार देखने को मिलेगा।

प्रशिक्षण शिविर को कार्यकर्ता गंभीरता से ले : राणावत

राजस्थान दर्शन

फालना। पाली भारतीय जनता पार्टी मंडल खुडाला फालना द्वारा आयोजित कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर के संबंध में आयोजित बैठक में बाली विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राणावत ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर को कार्यकर्ता गंभीरता से लें और आपने आपको अपडेट करते हुए राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा का करवाए गए कार्यों को आम जनता के बीच में साझा करें।इस अवसर पर जिला महामंत्री भरत त्रिवेदी ने प्रशिक्षण शिविर की रूप रेखा के बारे में विस्तार से समझाया।इस अवसर पर बाली विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत,भरत त्रिवेदी,प्रताप सिंह भाटी,राम किशोर गोयल, रूपा राम सुथार,कन्या देवी गरासिया,भोपाल सिंह गुर्जर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिद्धावत ,महामंत्री अमित मेहता,रूपाराम चौधरी,शक्ति सिंह चौहान,महिपाल परमार,रुपाराम सुथार,डॉ.भेरू सिंह गुर्जर,विक्रम सिंह,जितेंद्र सिद्धावत,कुलदीप सिंह बग्गा,सुमेर सिंह,प्रीतपाल् सिंह छाबड़ा,श्याम सिंह जोधा,छोग सिंह पवार,अनिल सिंह,विक्रम सिंह राजपुरोहित,ललित मालवीय,मनीष मालवीय,गणेश हीरागर,तारा राम हीराघर,अमृत दमामी,जीतेन्द्र कलावंत, शिव प्रकाश तिवारी,कुणाल पंवार, शंकर मेगवाल,थाना राम मेगवाल, कैलास जोशी,अशोक वचेता,हमीर सिंह चौहान,मो गनी कुरैशी,साकिर सिलावट,मनीषा लोढ़ा,हंजाबाई,भवरी कवर,भावना वैष्णव,आदि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

नगर पालिका रानी में मुख्यमंत्री विकसित शहरी वार्ड अभियान का शुभारंभ हुआ

राजस्थान दर्शन

रानी। नगर पालिका रानी द्वारा मुख्यमंत्री विकसित शहरी वार्ड अभियान का विधिवत शुभारंभ अधिशासी अधिकारी मगराज चौधरी के सानिध्य में किया गया।कार्यक्रम के दौरान वार्ड संख्या 14 एवं 15 का निरीक्षण कर आमजन की समस्याओं को सुना गया। वार्ड संख्या 14 में पूर्व पार्षद सीता देवी एवं वार्ड संख्या 15 में पूर्व पार्षद सेतकी बाई भी उपस्थित रहीं।निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में मुख्य रूप से पेयजल एवं बिजली की समस्याएं सामने आईं, जिनके शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। अधिशासी अधिकारी मगराज चौधरी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा तथा इस अभियान के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के विकास को गति दी जाएगी।इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी मगराज चौधरी,एईएन कृष्ण मुरारी शर्मा,पूर्व चेयरमैन भरत राठौड़,पूर्व उपाध्यक्ष डालचंद मेवाड़ा,मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत,जयंती लाल सहित नगर पालिका कार्मिक उपस्थित थे ।

पद्मश्री विभूषित गुरुदेव का भीलवाड़ा आगमन, श्रद्धालुओं में उमड़ा उत्साह

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। शहर के चित्तौड़ रोड स्थित होटल द व्हाइट सीजन्स में आचार्य विजय नित्यानंद सूरीश्वर म.सा. का अल्प प्रवास हुआ। भगवान महावीर की पाट परंपरा से जुड़े वल्लभ सूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति और पद्मश्री से सम्मानित आचार्यश्री के दर्शन के लिए जिलेभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्यश्री यहां संपतराज चपलोत के आमंत्रण पर पहुंचे थे। उनके दर्शन के लिए दामोदर अग्रवाल, अशोक कोठारी, मिलापचंद्र चपलोत सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि गुरुदेव का भीलवाड़ा आगमन पूरे क्षेत्र के लिए सौभाग्य का विषय है। उनके संदेश से समाज में धर्म, संस्कृति और संयम की भावना मजबूत होती है। उन्होंने आचार्यश्री को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किए जाने को पूरे देश के लिए गर्व बताया। इस अवसर पर आचार्यश्री के शिष्य मुनि मोक्षानंद विजय ने कहा कि जैन धर्म की श्रमण परंपरा तप, त्याग और संयम पर आधारित है। आचार्य नित्यानंद सूरीश्वर ने मात्र 9 वर्ष की आयु में दीक्षा लेकर आत्मकल्याण और लोककल्याण का मार्ग अपनाया। उन्होंने बताया कि गुरुदेव अब तक लगभग पौने दो लाख किलोमीटर की पदयात्रा कर चुके हैं। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले वर्ष नागौर में चातुर्मास सम्पन्न हुआ था, जबकि इस वर्ष बेंगलुरु में चातुर्मास प्रस्तावित है। विहार के दौरान गुरुदेव ने विजयनगर-गुलाबपुरा के पास केसरिया धाम तीर्थ में दो प्राचीन जिन मंदिरों की प्रतिष्ठा भी करवाई। भीलवाड़ा प्रवास के बाद गुरुदेव चित्तौड़गढ़ की ओर विहार कर रहे हैं, जहां जैनाचार्य हरिभद्र सूरीश्वर की जन्मभूमि के दर्शन करेंगे। इसके बाद उदयपुर, केसरियाजी, बड़ौदा, भरूच, झगड़िया और सूरत होते हुए आगे का प्रवास रहेगा। श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के आगमन को मंगलकारी बताते हुए कहा कि उनके संदेश से समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है और लोगों को धर्म व सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

भारतीय संस्कृति की अनुपम छवि को प्रदर्शित करता, सारंगवास खेतलाजी मेला सफलतापूर्ण संपन्न

गैरियों की थाप पर सजा आस्था का मेला, सारंगवास खेतलाजी में उमड़ा जनसैलाब

राजस्थान दर्शन/देसूरी। (हितेश गुप्ता)। श्री सोनाणा खेतलाजी सारंगवास का दो दिवसीय भव्य मेला शुक्रवार को श्रद्धा और उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। ट्रस्ट कमेटी अध्यक्ष भगाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष मूलाराम मेघवाल, सचिव महेश सिंह चारण सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी ने दिन- रात एक करके मेले का सफल आयोजन किया। मेले के द्वितीय दिन जहां श्रद्धालुओं का उल्लास रहा वही गैरियो की धूम भी रही। विभिन्न प्रकार की वेशभूषा में लगभग 80 के करीब गैरियों ने भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए परंपरागत वेशभूषा में गैर नृत्य किया । ट्रस्ट व भामाशाह की और से सभी बाहर से आए हुए गैरियो को एलइडी टीवी वह प्रश्नचिह्न के साथ साफ़ा और ईनाम देकर पारितोषित भी किया। मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु राजस्थान ही नहीं बल्कि राजस्थान के अन्य राज्यों से भी दर्शन हेतु आए।

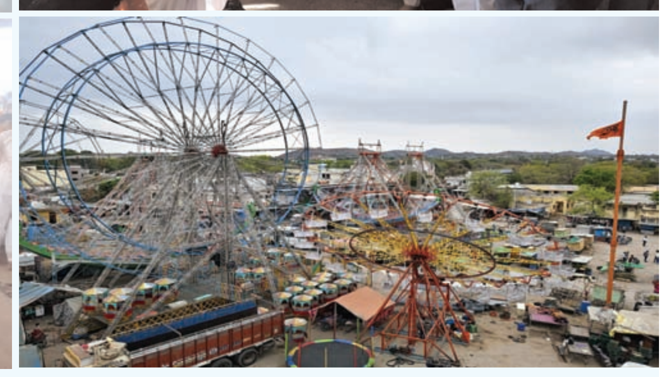

लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, मेले में उमड़ा जनसैलाब

मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचे और खेतलाजी महाराज व ब्राह्मणी माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मेले में गैर नृत्य, हवाई झूले, रंग-बिरंगी रोशनी और अन्य घरेलू समान खरीद कर लोगों ने मेले का आनंद लिया।

ट्रस्ट कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई उचित व्यवस्था

ट्रस्ट कमेटी और भामाशाहों के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क भोजन प्रसादी, पेयजल व्यवस्था और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई।

ट्रस्ट कमेटी ने सभी भामाशाह पर सहयोगियों का किया आभार व्यक्त

मेले को सफल बनाने के लिए सभी भामाशाह एवं सहयोगियों का ट्रस्ट कमेटी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उनको प्रशसनी चिन्ह व साफा पहनाकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर भक्तराज राजेंद्र भंडारी, रमेश भंडारी, सूरजमल देवड़ा, प्रशासक श्रीमती रेखा जणवा, समाजसेवी रमेश चौधरी, उपाध्यक्ष रताराम चौधरी, सहसचिव अशोक सिंह राजपुरोहित, सह कोषाध्यक्ष दिनेश लौहार , कल्याण सिंह, गौतम सिंह ,सहित विभिन्न गांवों के जनप्रतिनिधि, भोपाजी, उपासक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे और मेले को सफल बनाने में जुटे नजर आए।

एलईडी पाकर गैरियों के खिले चेहरे

ट्रस्ट कमेटी सचिव महेश सिंह चारण ने बताया कि भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक वेशभूषा को बढ़ावा देते हुए गैर नृत्य एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन भी किया गया। सभी गैरियो को ट्रस्ट में भामाशाह के सहयोग से एलइडी टीवी, प्रशंसनीय चिन्ह, साफा व इनाम स्वरूप उपहार दिया गया। जिससे उनको प्रोत्साहन मिले तथा भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिले।

मेले में लगी कई दुकानें लोगों ने की जमकर खरीदारी

मेले के अंदर कई प्रकार की दुकान लगाई गई जिसमें यहां पर आए हुए व्यक्तियों ने मेले जमकर खरीदारी की मेले में कई घरेलू सामान वह खिलौने आदि खरीदे।

रमजान के आखिरी जुम्मे पर नम आंखों से पढ़ी गई 'अलविदा' की नमाज, हजारों मोमिन हुए शामिल

राजस्थान दर्शन

बाली/फालना। पवित्र रमजान माह के आखिरी जुम्मे (जुमातुल विदा) के मौके पर बाली क्षेत्र की मस्जिद में अकीदत और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मोमिनों ने नमाज अदा कर अल्लाह से अमन, चैन और खुशहाली की दुआएं मांगी। नमाज से पहले सैयद इम्तियाज अली ने नम आंखों के साथ 'अलविदा, अलविदा माहे रमजान' पढ़ा, जिसे सुनकर मौजूद मोमिनों की आंखें भी भर आईं। पूरे माह की इबादत और रहमतों के विदा होने का यह भावुक दृश्य हर किसी को भाव-विभोर कर गया। वहीं मौलाना सिराजुद्दीन अशरफी ने जुम्मे की नमाज के दौरान तकरीर करते हुए रमजान की फजीलत, रोजे की अहमियत, इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रमजान हमें सब्र, इबादत और जरूरतमंदों की मदद करना सिखाता है, जिसे हमें पूरे साल अपनी जिंदगी में अपनाना चाहिए। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और तरक्की के लिए विशेष दुआ की गई। मस्जिदों में व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए

गए थे, जिससे नमाज अदा करने आए लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। रमजान के आखिरी जुम्मे पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जहां हर मोमिन इबादत में लीन नजर आया। ईद-उल-फितर के नजदीक आते ही बाजारों में भी खास रौनक देखने को मिल रही है। लोग खरीदारी में जुटे हुए हैं और घरों में ईद की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। नमाज के बाद मस्जिद में लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम दिया।

सुमेरपुर में अस्पताल अपग्रेड पर खुशी, लेकिन नई लोकेशन को लेकर उठे सवाल

राजस्थान दर्शन

सुमेरपुर। कस्बे के सरकारी अस्पताल को राज्य सरकार द्वारा 'उप जिला अस्पताल' का दर्जा दिए जाने के फैसले का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया है। इस निर्णय से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के बेहतर होने की उम्मीद जगी है और लोगों ने सरकार का आभार भी जताया है। हालांकि, इस खुशी के बीच एक नई चिंता ने जन्म ले लिया है। अस्पताल के नए भवन को शहर से दूर बनाने के प्रस्ताव ने आमजन के बीच असमंजस और नाराजगी पैदा कर दी है। लोगों का कहना है कि अस्पताल का स्थान बदलना जनहित के खिलाफ हो सकता है। गरीबों पर बढ़ेगा खर्च स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और दवाएं मिलना बड़ी राहत है। लेकिन अगर अस्पताल शहर से बाहर चला गया, तो मरीजों को आने-जाने में 100 से 200 रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। बार-बार चक्कर लगाने की स्थिति में यह खर्च और बढ़ेगा, जिससे गरीबों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। महिलाओं की सुरक्षा चिंता का विषय सबसे ज्यादा चिंता महिलाओं, खासकर गर्भवती महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जताई जा रही है। प्रस्तावित स्थान को सुनसान बताया जा रहा है, जहां दिन में भी आवाजाही कम रहती है। ऐसे में रात के समय अस्पताल पहुंचना मुश्किल और जोखिम भरा हो सकता है। हर परिवार के पास निजी वाहन नहीं होने से समस्या और गंभीर हो सकती है। ओपीडी और व्यापार पर असर वर्तमान में अस्पताल में रोजाना 500 से 600 मरीज ओपीडी में आते हैं। सुमेरपुर के साथ-साथ आसपास के गांवों और आहोर क्षेत्र से भी लोग इलाज के लिए यहां पहुंचते हैं। अस्पताल शहर के बीच होने से मरीजों और उनके परिजनों की आवाजाही से स्थानीय व्यापार को भी फायदा मिलता है। अस्पताल के बाहर जाने से व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। साथ ही ऑटो चालकों द्वारा अधिक किराया वसूलने की शिकायतें भी बढ़ सकती हैं। जनता की मांग– फैसले पर हो पुनर्विचार लोगों का कहना है कि इतने बड़े फैसले से पहले जनता को विश्वास में लिया जाना चाहिए था। उनका सुझाव है कि अस्पताल का निर्माण शहर के बीच या किसी सुगम स्थान पर किया जाए, ताकि सभी वर्गों को आसानी से स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। कुछ लोगों ने यह आशंका भी जताई है कि अस्पताल को बाहर ले जाने के पीछे निजी हित हो सकते हैं, जैसे जमीन के दाम बढ़ाना या निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाना। उन्होंने सरकार से पारदर्शिता बरतने और केवल जनहित को प्राथमिकता देने की अपील की है।

नवागुडा में दिनदहाड़े तीन मकानों के ताले टूटे, आभूषण व नकदी चोरी; 70 साल बाद वारदात से ग्रामीण दहशत में

राजस्थान दर्शन

कीरवा। गुडा एन्दला थाना क्षेत्र के नवागुडा गांव में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक साथ तीन सूने मकानों के ताले तोड़कर आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 70 साल बाद गांव में इस तरह की चोरी हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव के कई परिवार पास के बालराई गांव में संत श्री डोवेश्वर महाराज के मेले में गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने मौका पाकर लुम्बाराम पुत्र आसाराम मीणा, रमेश

कुमार पुत्र आसाराम मीणा और थानाराम पुत्र भैराराम देवासी के घरों को निशाना बनाया। चोरों ने मकानों के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी व संदूक में रखे चांदी के आभूषण व नकदी चोरी कर फरार हो गए। मेले से लौटने पर जब परिवारों ने घरों के ताले टूटे देखे और अंदर सामान बिखरा पाया, तो उनके होश उड़ गए। जांच करने पर गहने और नकदी गायब मिली। पीड़ित लुम्बाराम मीणा ने बताया कि उनके घर से चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हुई है। वहीं रमेश कुमार मीणा के घर से भी फसल बेचकर लाई गई नगदी और आभूषण चुरा लिए गए। थानाराम देवासी के घर से भी चांदी के गहने व नकदी गायब मिली है। घटना की सूचना पर पीड़ित परिवार ग्रामीणों के साथ गुडा एन्दला थाने पहुंचे और थानाधिकारी दर्शनसिंह राठौड़ को रिपोर्ट दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थानाधिकारी ने बताया कि गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। मौके पर बालराई प्रशासक केसाराम कुमावत, पूर्व सरपंच सवाराम मीणा, वागाराम चौधरी, भाजपा एसटी मोर्चा मंडल अध्यक्ष भोमाराम मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए क्रैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, सी- 565- सी, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड, जयपुर- 302013 (राजस्थान) से मुद्रित एवं ए-11, प्रथम मंजिल, करधनी शोपिंग सेंटर, हरीमार्ग, मालवीय नगर, जयपुर- 302017 से प्रकाशित।
संपादकः कमलेश सिंह, एच- 6, नंदपुरी कॉलोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन न- 0141-48199557 मो. 9166693566 E-mail rdnewsjaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)